नेशनल प्रेस टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली, बुधवार
16 अप्रैल 2025

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 11, अंक : 47 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

दंगाइयों से अपील, पीड़ितों से नहीं कोई ममता, बंगाल में अब कुछ बड़ा होने वाला है?

पश्चिम बंगाल सांप्रदायिकता का ऐसा अड्डा है जिसमें राजनीतिक दलों ने अपनी राजनीति को उबालकर रख दिया है। लेकिन एक समुदाय की भीड़ को कई दिनों तक दंगा करने की अनुमति देना प्रशासनिक सुस्ती और राजनीतिक लाइसेंस दोनों को दशार्ता है। इसके बाद हजारों पीड़ितों के प्रति घोर उदासीनता भी देखने को मिलती है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में अभी भले ही वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर हिंसा भड़की हो, लेकिन समस्या की जड़ें कहीं पुरानी हैं। हिंसक विरोध-प्रदर्शन राज्य की सियासत का हिस्सा बन चुके हैं, प्रशासनिक मशीनरी बार-बार फेल हो रही है और सरकारी तंत्र पीड़ितों में भरोसा नहीं पैदा कर पा रहा। यह स्थिति चिंताजनक है।

शेष पेज 2 पर

'लातों के भूत, बातों से नहीं मानेंगे'
बंगाल हिंसा पर बोले योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। योगी ने कहा कि पूरा मुर्शिदाबाद पिछले एक हफ्ते से जल रहा है। लेकिन सरकार चुप है। ऐसी अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए। पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सब चुप हैं। मुर्शिदाबाद दंगों पर कांग्रेस चुप है। समाजवादी पार्टी चुप है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में हुई हालिया हिंसा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इस मुद्दे पर सीधे तौर पर बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि हिंसा से ग्रस्त लोग बातचीत से नहीं समझेंगे। उन्हें केवल लाठी से ही होश आएगा (लातों के भूत, बातों से नहीं मानेंगे)। अगर कोई बांग्लादेश से इतना प्यार करता है, तो वह वहां जाने के लिए स्वतंत्र है। योगी ने कहा कि बंगाल जल रहा है। राज्य की मुख्यमंत्री चुप हैं। वे दंगाइयों को शांतिदूत कहती हैं। लातों के भूत बातों से कहां मनवाने वाले हैं? लेकिन धर्मनिरपेक्षता के नाम पर इन लोगों ने दंगाइयों को दंगे करने की पूरी छूट दे रखी है।

योगी ने कहा कि पूरा मुर्शिदाबाद पिछले एक हफ्ते से जल रहा है। लेकिन सरकार चुप है। ऐसी अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए। पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सब चुप हैं। मुर्शिदाबाद दंगों पर कांग्रेस चुप है। समाजवादी पार्टी चुप है। टीएमसी चुप है। वे धमकियाँ दे रहे हैं। वे बेशर्मी से बांग्लादेश में जो हुआ उसका समर्थन कर रहे हैं। अगर उन्हें बांग्लादेश पसंद है, तो उन्हें वहाँ चले जाना चाहिए। वे भारत की धरती पर बोझ क्यों बन रहे हैं?

इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ अधिनियम को लेकर हुई हिंसा के दौरान हिंदुओं को उनके घरों से घसीटकर मार डाला गया। उन्होंने कहा कि हिंसा भड़काई गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि "तीन हिंदुओं को उनके घरों से घसीटकर निकाला गया और उनकी हत्या कर दी गई।" उन्होंने कहा, "ये सब कौन हैं? ये वही दलित, वंचित और गरीब लोग हैं, जिन्हें इस जमीन से सबसे ज्यादा फायदा मिलने वाला है।" योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि यह "वही देश है, जिसमें वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीन पर कब्जा किया गया है।"

अलीगढ़ सहित यूपी के 10 जिलों में ईमेल से मिली बम की धमकी कलेक्ट्रेट की बढ़ाई गई सुरक्षा, प्रशासन सतर्क

अलीगढ़ । अलीगढ़ कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल ने प्रशासन में हड़कंप मचा दिया, जिसके बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि यूपी के 10 जिलों को धमकी मिली है।

कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल पर भेजी गई है। ईमेल मिलते ही इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई। इसके बाद पुलिस डॉग स्क्वाड एंटी टेररिस्ट टीम समेत भारी पुलिस बल कलेक्ट्रेट पहुंचा और जांच पड़ताल शुरू कर दी। उधर, बम मिलने की अफवाह पर कलेक्ट्रेट में तैनात अधिकारी और कर्मचारी बाहर निकल आए।

पुलिस ई-मेल भेजने वाले की तलाश में जुटी हुई है। हालांकि माना जा रहा है कि 17 अप्रैल को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ चालक मोहन भागवत पांच दिन के अलीगढ़ प्रवास पर आ रहे हैं। संभावना है कि किसी अराजक तत्व ने ऐसा किया है। पुलिस ईमेल भेजने वाले की तलाश में जुट गई है। इससे पहले नौ जनवरी को एएमयू केंपस को उड़ाने की धमकी भी ईमेल पर ही मिली थी, जबकि इससे पहले रेलवे स्टेशन को बम से उड़ने की धमकी के बाद हाई अलर्ट जारी किया गया था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक मोहन भागवत के आगमन को लेकर शाम 4:00 बजे से कलक्ट्रेट में पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक होनी थी। यह भी माना जा रहा है कि पुलिस प्रशासनिक अफसर बम के बहाने मॉक ड्रिल कर सुरक्षा व्यवस्था को परखने का भी काम कर रहे हैं। अलीगढ़ के साथ ही आज बाराबंकी में जिलाधिकारी कार्यालय में बम की सूचना मिली है। सूचना है कि यूपी के 10 जिलों को धमकी मिली है।

सोनिया-राहुल की बढ़ी मुश्किलें, ED ने दायर किया आरोप पत्र इन नेताओं के भी नाम शामिल

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पूर्व पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी की नेशनल हेराल्ड मामले में मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से आरोपपत्र दायर किया गया है। बता दें कि, ये पहली बार है जब सोनिया और राहुल गांधी पर किसी मामले में आरोपपत्र दायर हुआ है।

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर शिकंजा कसते हुए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपपत्र दायर किया है। जांच एजेंसी की ओर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया गया है। ईडी ने दोनों नेताओं को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाया गया है। आरोपपत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा, सुमन दुबे समेत कई नेताओं के नाम भी शामिल हैं। **शेष पेज 2 पर**

वक्फ कानून के खिलाफ बंगाल में हुई हिंसा में बांग्लादेशी उपद्रवियों का हाथ!

प्रारंभिक जांच में बड़ा खुलासा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून को लेकर हुई हिंसा में बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता के संकेत मिले हैं। वहीं बंगाल पुलिस ने अब तक मामले में 210 लोगों को गिरफ्तार किया है। हालांकि अब हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं, दुकानें खुल रही हैं और लोग वापस लौटने लगे हैं।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में नए वक्फ कानून को लेकर लेकर भड़की हिंसा के मामले में गृह मंत्रालय को शुरूआती जांच की जानकारी दी गई है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, हिंसा में कुछ बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता के संकेत मिले है। हालांकि हिंसा के बाद जंगीपुर, धुलियान, सुती और शमशेरगंज जैसे संवेदनशील इलाकों में बीएसएफ, सीआरपीएफ, राज्य सशस्त्र पुलिस और आरएएफ के जवान तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 48 घंटों में इन इलाकों में कोई नई हिंसा की घटना नहीं हुई है और स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है।

बता दें कि तनाव की खबरों के बीच बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी रवि गांधी ने भी प्रभावित इलाकों का दौरा किया और राज्य पुलिस के साथ मिलकर इलाके में गश्त बढ़ाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने की रणनीति पर चर्चा की। अब तक इस हिंसा के सिलसिले में कुल 210 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

धीरे-धीरे समान्य होती स्थिति-हिंसा के बाद स्थिति की जानकारी देते हुए बंगाल पुलिस ने बताया कि अब दुकानें खुल रही हैं और हिंसा की वजह से घर छोड़कर गए लोग वापस लौटने लगे हैं। बता दें कि बीते सप्ताह के शुक्रवार और शनिवार को नए वक्फ कानून के विरोध में शुरू हुए प्रदर्शन हिंसक हो गए थे, जिनमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए।

टीएमसी सांसद ने लोगों से की अफवाहों से बचने की अपील

वहीं मामले में जंगीपुर के टीएमसी सांसद खलीलुर रहमान ने बताया कि हालात सुधर रहे हैं और सरकार पीड़ितों की हर संभव मदद कर रही है। उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने और शांति बनाए रखने की अपील की। जिला प्रशासन अब उन लोगों की सूची बना रहा है, जिन्हें हिंसा में हुई संपत्ति की क्षति के लिए मुआवजा दिया जाएगा।

शेष पेज 2 पर

'अभिभावकों और बच्चों को परेशान करने का कोई अधिकार नहीं', सीएम रेखा गुप्ता ने फीस बढ़ोतरी के खिलाफ निजी स्कूलों को चेताया

नई दिल्ली। रेखा गुप्ता ने कहा कि फीस वृद्धि के लिए नियम और कानून हैं जिनका पालन किया जाना चाहिए। अगर कोई स्कूल इन सब में लिप्त पाया जाता है, तो उसे भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि हम आज उन सभी स्कूलों को नोटिस जारी करेंगे जिनके बारे में हमें शिकायतें मिली हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि असामान्य रूप से फीस बढ़ाने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी स्कूल को अभिभावकों और बच्चों को परेशान करने का कोई अधिकार नहीं है। अभिभावकों की शिकायतों का जवाब देते हुए गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार अनुचित वृद्धि के आरोपी स्कूलों को नोटिस भेज रही है। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपनी शिकायतों के साथ मुझसे मिल रहे हैं।

शेष पेज 2 पर

अयोध्या के सौन्दर्यीकरण व पर्यटन विकास के लिए 92.46 करोड़ की योजनायें स्वीकृत

इन पैसो में क्या होंगे काम

अयोध्या । पर्यटन विभाग ने अयोध्या में विकास के लिए 92.46 करोड़ रुपये की 16 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इसके तहत यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने और सौंदर्यीकरण के काम किए जाएंगे।

पर्यटन विभाग ने अयोध्या में पर्यटन विकास एवं अवस्थापना सुविधाओं के उच्चीकरण के लिए 92.46 करोड़ की 16 परियोजनाएं स्वीकृत की है। ये परियोजनाएं तीर्थ विकास परिषद अयोध्या के प्रस्ताव पर स्वीकृति की गई हैं। इन परियोजनाओं को पूरा करने का दायित्व कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लिमिटेड को दिया गया है। समस्त निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता एवं समयबद्धता का पालन किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि तीर्थ विकास परिषद अयोध्या के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के प्रस्ताव पर विकासखंड तारुन स्थित कम्हरिया बाबा मंदिर का पर्यटन विकास, अयोध्या में राम की पैड़ी पर दर्शक दीर्घा एवं पर्यटन सुविधाओं का कार्य, अयोध्या में पावन नगरी से जुड़े मखौड़ा और भरतकुंड श्रावण क्षेत्र श्रृंगी ऋषि का आश्रम और दशरथ समाधि स्थल का सौन्दर्यीकरण कार्य तथा ठाकुर राम जानकी नई पंचायती मंदिर का पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण कराया जाएगा।

शेष पेज 2 पर

खुदरा महंगाई | थोक के बाद खुदरा महंगाई दर में भी नरमी

छह साल के निचले स्तर 3.34% पर पहुंची

नई दिल्ली । सब्जियों और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी के कारण खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में मामूली रूप से घटकर लगभग छह साल के निचले स्तर 3.34 प्रतिशत पर आ गई। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी के 3.61 प्रतिशत की तुलना में मार्च में मामूली रूप से घटकर 3.34 प्रतिशत रह गई। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में इसकी पुष्टि की गई है। सब्जियों और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी के कारण खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में मामूली रूप से घटकर लगभग छह साल के निचले स्तर 3.34 प्रतिशत पर आ गई।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में 3.61 प्रतिशत और पिछले वर्ष मार्च में 4.85 प्रतिशत थी। मार्च 2025 में खुदरा महंगाई की दर अगस्त 2019 के बाद सबसे कम रही। उस समय यह 3.28 प्रतिशत थी।

महंगाई के आंकड़ों में क्या आया सामने?

मार्च में खाद्य मुद्रास्फीति 2.69 प्रतिशत थी, जबकि फरवरी में यह 3.75 प्रतिशत और मार्च 2024 में 8.52 प्रतिशत थी। पिछले हफ्ते, रिजर्व बैंक ने महंगाई में आ रही कमी को देखते हुए प्रमुख अल्पकालिक उधार दर यानी रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती का एलान किया था।

आरबीआई ने 2025-26 में खुदरा महंगाई दर 4% रहने का जताया है अनुमान

रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई दर 4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। पहली तिमाही में महंगाई दर 3.6 प्रतिशत, दूसरी तिमाही 3.9 प्रतिशत, तीसरी तिमाही 3.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आरबीआई के अनुसार महंगाई का जोखिम समान रूप से संतुलित हैं।

इस बीच, मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सब्जियों, आलू और अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमतें घटने से थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति भी मार्च में छह महीने के निचले स्तर 2.05 प्रतिशत पर आ गई। फरवरी में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 2.38 प्रतिशत थी। पिछले साल मार्च में यह 0.26 प्रतिशत थी। **शेष पेज 2 पर**

दिल्ली सरकार का बड़ा एलान: बढ़ाई गई श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी, किसको मिलेगा कितना पैसा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने एक अप्रैल से सभी श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि की, जिसमें महंगाई भत्ता शामिल है। यह कदम लाखों श्रमिकों को बढ़ती मंहगाई से राहत देगा।

दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि की घोषणा की है। एक अप्रैल से लागू होने वाली नई दरों में महंगाई भत्ते को समायोजित किया गया है, जिससे श्रमिकों को बढ़ी मंहगाई के प्रभाव से राहत मिलेगी।

दिल्ली सरकार के श्रम विभाग के मुताबिक, अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी 18,066 रुपये से बढ़कर 18,456 रुपये प्रतिमाह, अर्ध-कुशल श्रमिकों 19,929 रुपये से बढ़कर 20,371 रुपये प्रतिमाह, कुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी 21,917 रुपये से बढ़कर 22,411 रुपये प्रतिमाह, गैर-मैट्रिक श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी 19,929 रुपये से बढ़कर 20,371 रुपये प्रतिमाह, मैट्रिक पास श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी 21,917 रुपये से बढ़कर 22,411 रुपये प्रतिमाह और स्नातक व उससे ऊपर पढ़े श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी 23,836 रुपये से बढ़कर 24,356 रुपये प्रतिमाह की गई है।

संयुक्त श्रम आयुक्त (मुख्यालय) कुशर मनोज सिंह ने बताया कि यह वृद्धि न केवल बढ़ी मंहगाई के प्रभाव को कम करेगी, बल्कि दिल्ली में कार्यरत लाखों श्रमिकों को आर्थिक राहत भी प्रदान करेगी। यदि किसी श्रमिक को निर्धारित न्यूनतम मजदूरी से कम भुगतान किया जाता है तो वे संबंधित जिले के संयुक्त श्रम आयुक्त या उप श्रम आयुक्त के पास शिकायत दर्ज कर सकते हैं। ये अधिकारी न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के तहत दावों की सुनवाई और निर्णय के लिए तैनात हैं।

रोशनपुरा में बन रहा वीर सावरकर कॉलेज, जमीन देने वाले लोगों के बच्चों के लिए आरक्षित होंगी दो सीटें

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि सकारात्मक और प्रगतिशील कदम के तहत इस कॉलेज में प्रति पाठ्यक्रम उन लोगों के बच्चों के सीट आरक्षित करने का फैसला किया है, जिन्होंने कॉलेज को बनाने के लिए जमीन दी है।

नजफगढ़ स्थित रोशनपुरा गांव में तैयार हो रहे डीयू के वीर सावरकर कॉलेज में दो सीटें जमीन देने वाले लोगों के बच्चों के लिए आरक्षित होंगी। डीयू प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सीटें आरक्षित करेगा। इसमें एक सीट छात्रा व दूसरी सीट छात्र के लिए होगी। जल्द ही डीयू प्रशासन गांव की पंचायत के साथ मिलकर इसके लिए नियम तय करेगा। सीट आरक्षित होने से गांव को प्रोत्साहन भी मिलेगा। अभी कॉलेज का निर्माण पूरा होने में एक से डेढ़ साल का समय लगेगा।

डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि सकारात्मक और प्रगतिशील कदम के तहत इस कॉलेज में प्रति पाठ्यक्रम उन लोगों के बच्चों के सीट आरक्षित करने का फैसला किया है, जिन्होंने कॉलेज को बनाने के लिए जमीन दी है। दो सीटों में से एक सीट छात्रा के लिए होगी। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए एक छात्रा के लिए सीट आरक्षित करने का फैसला किया गया।

पंचायत के साथ बैठकर नियम तय किए जाएंगे

इस सीट के लिए कौन योग्य होंगे और सीट कैसे मिलेगी, इस पर उन्होंने कहा कि इसके लिए गांव की पंचायत के साथ बैठकर नियम तय किए जाएंगे। मालूम हो कि यह कॉलेज नजफगढ़ स्थित रोशनपुरा गांव के लोगों की ओर से दी गई जमीन पर तैयार किया जा रहा है। क्या यह आरक्षण बाद में भी जारी रहेगा, इस पर उन्होंने कहा कि यह जब नियम तय हो जाएंगे तभी बताया जा सकेगा।

दोनों प्रोग्राम के लिए कुल 60 सीटें होंगी

डीयू के इस कॉलेज के लिए प्रशासन के पास कई कोर्सेज के लिए मंजूरी है। अभी शिक्षकों के पद तय होना बाकी हैं। इस शैक्षणिक सत्र से कॉलेज के लिए चार वर्षीय दो स्नातक पाठ्यक्रम बीएससी कंप्यूटर साइंस और बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) शुरू करने की तैयारी की जा रही है। दोनों प्रोग्राम के लिए कुल 60 सीटें होंगी।

कॉलेज की अनुमानित

दिल्ली में जारी रहेगी बिजली सब्सिडी, सीएम की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया अहम फैसला

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार कैबिनेट बैठक महत्वपूर्ण फैसला लिए गए। कैबिनेट बैठक में नई ईवी पॉलिसी पर चर्चा हुई, लेकिन मसौदे पर सहमति नहीं बनी। वहीं, किसानों, 1984 सिख दंगा पीड़ितों और वकीलों के चेंबर को बिजली सब्सिडी मिलेगी। दिल्ली सरकार ने बिजली सब्सिडी को आगे भी जारी रखने का फैसला किया है। ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि बिजली सब्सिडी पर विपक्ष झूठी राजनीति कर रहा है और लोगों को गुमराह करने के लिए ये अफवाह उड़ाई जा रही है कि दिल्ली सरकार बिजली सब्सिडी बंद करने जा रही है, लेकिन सीएम रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में सब्सिडी जारी रखने का फैसला किया गया है।

बैठक के बाद ऊर्जा मंत्री आशीष सूद और परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। आशीष सूद ने बताया कि कैबिनेट ने चार प्रमुख वर्गों को सब्सिडी देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इनमें किसानों, 1984 के सिख दंगा पीड़ितों, मौजूदा घरेलू उपभोक्ताओं और वकीलों के चेंबर से जुड़ी सब्सिडी दी जाएगी। सिख दंगा पीड़ितों और वकीलों के लिए सब्सिडी नई सरकार का बेहद महत्वपूर्ण फैसला है। इस निर्णय से उन सभी अफवाहों और दुष्प्रचारों को खारिज किया गया है, जिनमें यह कहा जा रहा था कि दिल्ली सरकार सब्सिडी समाप्त करने जा रही है।

विपक्ष की जनता को भ्रमित करने की कोशिश

आशीष सूद ने कहा कि विपक्ष के कुछ स्व-घोषित बेरोजगार नेताओं द्वारा लगातार जनता को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन हम यह आश्वस्त करते हैं कि दिल्ली सरकार अपने कार्यों में पूरी तरह संजीदा है और जनता के हितों में हर जरूरी कदम उठाएगी।

लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्रिंसिपल के ऑफिस में डूसू अध्यक्ष ने दीवारों पर लगाया गोबर

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

दिल्ली । डूसू अध्यक्ष ने लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्रिंसिपल के ऑफिस में गोबर ले जाकर दीवार लगा दिया। डूसू अध्यक्ष का कहना है कि यदि प्रिंसिपल को शोध करना था तो उन्हें इसकी शुरूआत अपने घर से करनी चाहिए थी।

दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज में प्रिंसिपल की ओर से पोर्टा केबिन की दीवारों पर गोबर व मिट्टी का लेप किए जाने का मामला बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष रौनक खत्री ने विरोधस्वरूप कॉलेज प्राचार्य के कार्यालय की दीवारों पर गोबर लगाया। डूसू अध्यक्ष का कहना है कि यदि प्रिंसिपल को शोध करना था तो उन्हें इसकी शुरूआत अपने घर से करनी चाहिए थी। वहीं, डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि अच्छा होता कि प्राचार्य रिसर्च के इस कार्य को अपने घर या कार्यालय में करतीं। उन्हें कक्षाओं की दीवारों पर यह लेप करने से बचना चाहिए था।

कॉलेज प्रिंसिपल के कार्यालय की दीवारों पर डूसू अध्यक्ष की ओर से गोबर लगाए जाने के मामले में कॉलेज ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। डूसू अध्यक्ष अपने कुछ समर्थकों के साथ कॉलेज पहुंचे तो प्राचार्य वहां उपस्थित नहीं थी। हंगामे की आंशका को देखते हुए वहां पुलिस भी मौजूद थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में खत्री ने प्रिंसिपल के वायरल वीडियो का संदर्भ दिया और व्यंग्यात्मक रूप से कहा कि वह और उनके समर्थक उनके कार्यालय की दीवारों पर प्लास्टर करके उनकी मदद करने गए थे। उन्होंने लिखा हमें पूरा विश्वास है कि मैडम अब अपने कमरे से एसी हटवाकर छात्रों को सौंप देंगी और कॉलेज को गाय के गोबर से लीप कर इस आधुनिक और प्राकृतिक ठंडे वातावरण में चलाएंगी।

मिट्टी को छूने से कोई नुकसान नहीं है- वहीं, कॉलेज प्राचार्य सोमवार को इस बारे में कह चुकी हैं कि यह पोर्टा केबिन में किए जा रहे एक शोध प्रोजेक्ट का हिस्सा था। वह एक सप्ताह बाद इस शोध विवरण को साझा कर सकेंगी। उन्होंने कहा था कि बिना पूरे संदर्भ के गलत सूचना फैलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक मिट्टी को छूने से कोई नुकसान नहीं है। वर्ष 1965 में स्थापित झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर बना यह कॉलेज अशोक विहार में स्थित है।

वैज्ञानिक सोच के मूल्य को बढ़ावा देना चाहिए : एनएसयूआई- एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने लक्ष्मीबाई कॉलेज प्रकरण पर कहा, 'हमें संविधान में निहित वैज्ञानिक सोच के मूल्य को बढ़ावा देना चाहिए। कॉलेज की प्राचार्य को शैक्षणिक कार्यों के लिए नियुक्त किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राचार्य का यह काम संघ के एजेंडे को बढ़ावा देने वाला है। इससे स्कॉलरशिप, बुनियादी ढांचे और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ध्यान भटकाने की कोशिश है।'

पेज एक का शेष...

सोनिया-राहुल की बढ़ी मुश्किलें,

इस मामले में विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा, 'अभियोजन पक्ष की वर्तमान शिकायत पर संज्ञान के पहलू पर अगली बार 25 अप्रैल, 2025 को इस अदालत के समक्ष विचार किया जाएगा, जब ईडी और आईओ के विशेष वकील अदालत के अवलोकन के लिए केस डायरी का उत्पादन भी सुनिश्चित करेंगे।'

विज्ञापन

ईडी के आरोपपत्र पर 25 अप्रैल को होगी सुनवाई-ईडी की ओर से दाखिल किए गए आरोपपत्र पर राउज एवेन्यू कोर्ट में 25 अप्रैल को सुनवाई होगी। ईडी की ओर से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 44 और 45 के तहत धन शोधन के अपराध के लिए अभियोजन शिकायत दर्ज की गई है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़ी संपत्तियों पर कब्जा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी।

अखछ और क्छ पर ईडी की कार्रवाई-यह पहली बार है जब कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ किसी मामले में चार्जशीट दाखिल की गई है। बता दें कि, ईडी ने साल 2014 में दिल्ली के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के आदेश पर एजेएल और यंग इंडिया के खिलाफ पीएमएलए के तहत जांच शुरू की थी। ईडी ने एजेएल यानी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड और यंग इंडिया की अभी तक करीब 751.9 करोड़ रुपये कीमत की प्रॉपर्टी जब्त की है।

क्या है नेशनल हेराल्ड मामला?- नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र की स्थापना 1938 में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी। यह स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक था, इसे एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड यानी एजेएल की तरफ से प्रकाशित किया जाता था। साल 2008 में वित्तीय संकट के बाद समाचार पत्र बंद हो गया और यहीं से इस विवाद की शुरूआत हुई। इसके बाद 2010 में यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएल) नाम की कंपनी बनीं, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी की 38-38% हिस्सेदारी है। इस मामले में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में आरोप लगाया कि वाईआईएल ने एजेएल की 2000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को मात्र 50 लाख रुपये में हासिल कर लिया और यह धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है।

अयोध्या के सौन्दर्यीकरण व पर्यटन विकास के लिए 92.46 करोड़ की योजनायें स्वीकृत

जयवीर सिंह ने बताया कि इसी प्रकार विधानसभा मिल्कीपुर स्थित विकासखण्ड अमानीगंज के रामपट्टी में स्थित गहनाग बाबा धाम का पर्यटन विकास, सुच्चितागंज सोहावल का पर्यटन विकास, तुलसीदास जी का छावनी मंदिर का पर्यटन विकास, सरयू नदी के राजघाट के निकट एम्फीथिएटर एवं फूड कोर्ट का निर्माण, अयोध्या के साकेत सदन में पंचकोसी, चौदहकोसी एवं चौरासी कोसी परिक्रमा संग्रहालय एवं इंटरप्रिटेशन सेंटर का निर्माण तथा ब्लॉक मसूदा के ग्राम अबानपुर सरोहा में ग्रामीण पर्यटन के अंतर्गत पर्यटन सुविधा केन्द्र का निर्माण किया जाएगा।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि अयोध्या में रामपथ, भक्तिपथ, धर्मपथ, जन्मभूमि पथ, मिनिस्टिंग फैन, कैनोपी आदि का कार्य, वार्ड संख्या13, आचार्य नरेन्द्रदेव के परिक्षेत्र में स्थित गुलाब बाड़ी फार्म का सौन्दर्यीकरण, कौशलेश सदन का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण, भास्कर भवन का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण, अयोध्या स्थित संत निवास का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य तथा गुप्तार घाट के सामने यात्रियों की सुविधा के लिए बेंच लगाने और प्रकाश व्यवस्था का कार्य कराया जाएगा।

अभिभावकों और बच्चों को परेशान करने का कोई अधिकार नहीं', सीएम रेखा गुप्ता ने फीस बढ़ोतरी के खिलाफ निजी स्कूलों को चेताया

यह पक्का है। किसी भी स्कूल को अभिभावकों और बच्चों को परेशान करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्हें बच्चों को धमकाने और असामान्य रूप से फीस बढ़ाने का कोई अधिकार नहीं है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि फीस वृद्धि के लिए नियम और कानून हैं जिनका पालन किया जाना चाहिए। अगर कोई स्कूल इन सब में लिप्त पाया जाता है, तो उसे भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि हम आज उन सभी स्कूलों को नोटिस जारी करेंगे जिनके बारे में हमें शिकायतें मिली हैं। यह मुद्दा तब सामने आया जब द्वारका में एक निजी स्कूल के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे अभिभावकों ने आरोप लगाया कि उनके बच्चों को लगभग 25 दिनों तक लाइब्रेरी में ही बंद रखा गया है, जिसे उन्होंने "लाइब्रेरी अरेस्ट" कहा है। एक अभिभावक ने दावा किया कि 20 मार्च से स्कूल प्रबंधन छात्रों को स्कूल के समय लाइब्रेरी में ही रोके हुए है।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने पुष्टि की कि फीस बढ़ोतरी के बारे में बार-बार शिकायतें मिलने के बाद एक निरीक्षण दल ने द्वारका के स्कूल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि शहर भर के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को स्कूलों का निरीक्षण करने और विनियामक अनुपालन का आकलन करने के लिए डिजाइन किए गए 18-सूत्रीय प्रश्नावली के जवाब एकत्र करने का निर्देश दिया गया है। सूद ने कहा, "इस मामले को देखने के लिए शिक्षा के उप निदेशक और लेखा निदेशक की एक समिति भी बनाई गई है।" उन्होंने कहा कि अभिभावकों के लिए फीस बढ़ोतरी के बारे में शिकायत दर्ज करने के लिए एक समर्पित ईमेल आईडी शुरू की गई है।

इस मुद्दे ने राजनीतिक विवाद को भी जन्म दे दिया है, आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने भाजपा और निजी स्कूल प्रबंधन के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया है। आप दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, ह्ल1 अप्रैल से दिल्ली के कई प्रमुख निजी स्कूलों ने अपनी फीस में भारी बढ़ोतरी की है, जिससे अभिभावकों ने विरोध प्रदर्शन किया है। गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूल प्रबंधन समितियों के संघ के अध्यक्ष भाजपा के शिक्षक प्रकोष्ठ के पदाधिकारी हैं और उन्होंने विधानसभा चुनावों में पार्टी के लिए सक्रिय रूप से प्रचार किया था।

दंगाइयों से अपील, पीड़ितों से नहीं कोई ममता, बंगाल में अब कुछ बड़ा होने वाला है?

सांप्रदायिक दंगे में मारे जा रहे लोगों या मारे जाने के डर से सैकड़ों लोगों को भागने पर मजबूर किए जाने पर मुख्यमंत्री की चौंकाने वाली चुप्पी हर किसी को हैरान कर रही हैं।

पश्चिम बंगाल में यही देखने को मिल रहा है, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के अन्य नेता हमलावरों से अपील कर रहे हैं, जबकि पीड़ितों के बारे में कुछ नहीं सोच रहे हैं। पश्चिम बंगाल सांप्रदायिकता का ऐसा अड्डा है जिसमें राजनीतिक दलों ने अपनी राजनीति को उबालकर रख दिया है। लेकिन एक समुदाय की भीड़ को कई दिनों तक दंगा करने की अनुमति देना प्रशासनिक सुस्ती और राजनीतिक लाइसेंस दोनों को दशार्ता है। इसके बाद हजारों पीड़ितों के प्रति घोर उदासीनता भी देखने को मिलती है।

पश्चिम बंगाल में नए वक्फ कानून के खिलाफ सबसे हिंसक विरोध प्रदर्शन के परिणामस्वरूप मौतें हुईं और लोग अपने घरों से भाग गए। हालांकि केरल, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हुए, लेकिन बंगाल की तरह कोई भी राज्य जल नहीं उठा। विरोध प्रदर्शन पहले से ही योजनाबद्ध थे। यह या तो राज्य की खुफिया जानकारी जुटाने की प्रणाली में विफलता को भी दशार्ता है, या यह सांप्रदायिक भीड़ को खुली छूट दे रहा है। वक्फ संशोधन विधेयक, 2025, 4 अप्रैल को पारित किया गया था, और 5 अप्रैल को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली। पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर हिंसक विरोध प्रदर्शन 11 अप्रैल को शुक्रवार की नमाज के बाद ही शुरू हुए।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के साथ झड़प की, हिंदुओं के घरों और व्यवसायों में आग लगा दी और दुकानों को लूट लिया। पिता-पुत्र की जोड़ी - होरोगोबिंदो और चंदन दास - को मुस्लिम बहुल जिले मुशीदाबाद में मौत के घाट उतार दिया गया, जो दंगों का केंद्र था। भीड़ ने कारीगरों के घर में घुसकर दोनों को बाहर निकाला और उन्हें मौत के घाट उतार दिया, जबकि परिवार की महिलाएं पुरुषों को बचाने के लिए हमलावरों के पैरों पर गिर पड़ीं। मुर्शिदाबाद के सैकड़ों हिंदू, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे, नावों का उपयोग करके अपने घरों से भागकर गंगा पार करके मालदा पहुंचे। वीडियो सामने आए हैं - लोग दावा कर रहे हैं कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की और मूकदर्शक बनी रही। पुलिस थानों को घंटों फोन करने के बावजूद कोई मदद नहीं मिली और उन्हें लूटपाट करने वाली भीड़ का शिकार बनने के लिए छोड़ दिया गया।

वक्फ कानून के खिलाफ बंगाल में हुई हिंसा में बांग्लादेशी उपद्रवियों का हाथ

भांगर में भी वक्फ कानून को लेकर तनाव-इसी बीच, दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर इलाके में भी वक्फ अधिनियम को लेकर सोमवार को हिंसा देखने को मिली। इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के समर्थकों ने पुलिस के साथ झड़प की, जिसमें कई लोग घायल हो गए। कुछ पुलिस वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचा। गौरतलब है कि पुलिस ने आईएसएफ समर्थकों को उनके नेता और विधायक नौशाद सिद्दीकी की रैली में शामिल होने से रोकने की कोशिश की, जिसके चलते ये झड़प हुई। हालांकि, अब भांगर में बसंती राजमार्ग पर यातायात सामान्य हो चुका है और हालात पर नियंत्रण पाया जा रहा है।

संस्कृति पब्लिक स्कूल शबगा में अग्निशमन सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सुरेंद्र मलानिया

शबगा/बागपत- संस्कृति पब्लिक स्कूल में आज अग्निशमन विभाग बड़ौत के सहयोग से अग्निशमन सप्ताह के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ को अग्नि सुरक्षा के प्रति सचेत करना और आपदा प्रबंधन की मूलभूत जानकारी देना था।

कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के चेयरमैन धर्मेन्द्र शर्मा एवं प्रधानाचार्य हरिदत्त शर्मा द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इस पावन अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए अग्निशमन अधिकारी राधेश्याम त्यागी (बड़ौत) ने अग्निशमन सप्ताह की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि बताते हुए जानकारी दी कि

यह सप्ताह 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाया जाता है। इसकी शुरूआत मुंबई (तत्कालीन बंबई) में 1944 में हुए एक भयावह अग्निकांड की स्मृति में की गई थी, जिसमें 66 फायर ब्रिगेड कर्मियों ने अपनी जान गंवाई थी। त्यागी ने विद्यार्थियों को बताया कि आग लगने की तीन मुख्य शर्तें होती हैं ईंधन, प्रज्वलन ताप और ऑक्सीजन। यदि इनमें से किसी एक को हटा दिया जाए, तो आग को बुझाया जा सकता है। उन्होंने बच्चों को आग लगने की स्थिति में धैर्य बनाए रखने, अग्निशमन यंत्रों के सही प्रयोग और त्वरित बचाव की जानकारी भी दी।

प्रधानाचार्य हरिदत्त शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसी घटनाएं अनियंत्रित होती हैं, लेकिन जागरूकता और सही प्रशिक्षण से उनकी तीव्रता को कम किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे इस प्रकार के कार्यक्रमों से प्राप्त ज्ञान को अपने परिवार और समाज में भी साझा करें।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की शिक्षिकाएं संगीता, सोनम, सुरेखा तोमर, माधवी शर्मा तथा छात्र हिमांशु पंवार सहित अनेक विद्यार्थी एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। अंत में स्कूल की ओर से अग्निशमन विभाग का आभार प्रकट करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

धूमधाम के साथ निकाली गई बालाजी महाराज की विशाल रथयात्रा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बागपत। श्री सत्यनारायण मंदिर बड़ौत में श्री बालाजी महाराज की विशाल रथयात्रा गाजे-बाजे के साथ धूमधाम से निकाली गई, इसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

रथयात्रा का उद्घाटन जिंदल पब्लिक स्कूल गाजियाबाद के डॉक्टर रामावतार जिंदल ने किया, जबकि रथ पर बालाजी महाराज की महाआरती सुप्रसिद्ध समाजसेवी सुनील मित्तल भट्टे वालों ने की। मंदिर कमेटी के लोगों ने यहां पहुंचने पर डॉक्टर रामावतार जिंदल व सुनील मित्तल का पटका, पगड़ी, माला व मोमेंटो देकर सम्मान किया। रथ यात्रा में सुप्रसिद्ध बैंड-बजे व कीर्तन

मंडलियां तथा विभिन्न झांकियां शामिल थी, जो राह चलते हर व्यक्ति को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी।

रथ यात्रा का जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और समाजसेवी लोगों ने जगह-जगह स्टॉल लगाकर यात्रियों को खाने-पीने के सामान व खाद्य सामग्री वितरित की। रथ यात्रा मंदिर से शुरू होकर भगवान महावीर मार्ग, महाराजा अग्रसेन चौक, संजय मूर्ति, नेहरू मूर्ति, अतिथि भवन, गांधी रोड, सारंग सिनेमा रोड, शिव चौक से होते हुए पुनः मंदिर पर आकर समाप्त हुई। पूरा वातावरण बालाजी महाराज के जय-जयकार के नारों से गूंज उठा।

अभी तक नहीं हो सका पुल की एप्रोच रोड का निर्माण

30 गांवों की ब्लॉक मुख्यालय तक राह बड़ी मुश्किल

एनपीटी ब्यूरो

बरेली- शेरगढ़ के गांव पदमी और कसबापुर के बीच किच्छा नदी पर बने पुल की एप्रोच रोड का निर्माण शुरू नहीं हो सका है। इस कारण करीब 30 गांवों के लोगों को ब्लॉक मुख्यालय जाने के लिए 15 से 20 किमी दूरी तय करनी पड़ रही है। कई गांवों के लोगों को नदी पार करनी पड़ती है। 15 करोड़ की लागत से पुल 2022 में तैयार किया गया था। दो साल बाद सितंबर 2024 में आई बाढ़ से एप्रोच रोड बह गई। तब से पुल ऐसे ही खड़ा है। शेरगढ़, कस्बापुर, बरीपुरा, रजपुरा, मोहम्मदपुर, टांडा, मानपुर समेत 30 गांवों के लोगों को पुल का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ब्लाक मुख्यालय जाने के लिए 15 से 20 किलोमीटर लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने 20 मार्च को बहेड़ी में केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद से एप्रोच रोड बनवाने की मांग की थी। इसके कुछ दिन बाद ही मंजूरी मिलने के साथ एक करोड़ का बजट जारी कर दिया गया। लेकिन, अब तक काम शुरू नहीं हो सका।

संबंधित विभाग के अधिकारी का कहना जी की एप्रोच रोड निर्माण के लिए, बजट स्वीकृत हो गया है। टेंडर प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी है। कुछ तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं जिस कारण ठेकेदार काम शुरू नहीं कर सका है। संभावना है 20 अप्रैल तक काम शुरू हो सकता है। फिलहाल लोग बाइकों से नदी से गुजर रहे हैं। महिलाओं को सबसे अधिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के बार-बार कहने के बावजूद भी निर्माण नहीं हो पा रहा है। जबकि निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत होने के साथ ही टेंडर की प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी है अधिशासी अभियंता का कहना है 20 अप्रैल तक काम शुरू होने की संभावना है। जिसके चलते निर्माण कार्य जल्द ही कर लिया जाएगा- भगत सिंह, एक्सईएन, पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड

स्कूलो और बुकसेलरों की मनमानी से अभिभावक परेशान

शिवसेना ने सीएम को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को दिया

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर शिवसेना पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को दिया।

ज्ञापन देने के दौरान शिवसेना पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पदाधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से बुक्स पब्लिकेशन और निजी स्कूलों की मनमानी से अभिभावकों का जमकर आर्थिक शोषण किया जा रहा है। जिसके चलते अभिभवको को भारी भरकम फीस एवं एडमिशन फीस किताबों के नाम पर खुलेआम लूट जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर पब्लिकेशन कंपनियों से भी 60% तक का कमीशन लेकर अभिभावकों को कई गुना महंगे दामों पर पाठ्यक्रम खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

जिसमें मुख्य रूप से सरस्वती सदन एवं चिल्ड्रन बुक डिपो सहित अन्य कई प्रसिद्ध दुकानों पर मालिक की सहभागिता एवं सहयोग पब्लिक व निजी स्कूलों से बना हुआ है।

ज्ञापन देने वालों में शिवम सक्सेना, सौरभ सैनी, शिवाकांत तिवारी, विश्व प्रताप सिंह, सुधा शर्मा, संजय, चंद्र रेखा रस्तोगी, प्रिंस, जीत कौर, रंजीत सैनी, माधव रस्तोगी, राकेश यादव, गुंजन त्रिपाठी, दीपक पाठक, नवीन शर्मा, राजेश यादव, अनीता मिश्रा, अर्चित मिश्रा, विजय मिश्रा, नवनीत सक्सेना, सेवा उपाध्याय, विवेक मिश्रा, सोनू सक्सेना, विकास कुमार, रविंद्र यादव, रवींद्र व्यास, विनोद राजपूत, और आयुष सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

अमरोहा में एक माह में जोया टोल प्लाजा से फ्री निकले 7064 वाहन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

अमरोहा में जोया टोल प्लाजा पर बीते एक माह में 7064 वाहन फ्री गुजरे हैं। टोल प्रशासन की शिकायत पर एनएचएआई ने अमरोहा डीएम और एसपी से सुरक्षा मुहैया कराने के लिए अनुरोध किया गया है शिकायत में बताया कि पिछले कुछ दिनों में कथित किसान यूनियन से जुड़े लोग अपने वाहनों को जबरदस्ती निकाल कर ले जाते हैं। कर्मचारियों को धमकाते हैं और मारपीट करने की भी कोशिश करते हैं। जबकि, टोल प्लाजा छूट देने के लिए पात्र नहीं है। टोल प्लाजा कर्मी शुल्क वसूलने के लिए लगातार प्रयास करते हैं, बावजूद इसके किसान यूनियन का हवाला देकर लोग बिना भुगतान किए चले जाते हैं

टोल प्लाजा प्रशासन ने एनएचएआई को ऐसे 7064 वाहनों की सूची जारी की है। साथ ही कुछ सीसीटीवी फुटेज भी अधिकारियों को भेजे हैं। मामले को गंभीरता से लेकर एनएचआई ने अमरोहा डीएम और एसपी को पत्र जारी कर टोल प्लाजा पर प्राप्त पुलिस सहायता देने का अनुरोध किया है। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि इस तरह के कोई निर्देश अभी तक नहीं मिले हैं। पत्र मिलने के बाद अमल कराया जाएगा

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला

नेशनल प्रेस टाइम्स

लखनऊ में सरकारी जमीनों से अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई तेज हो गई है मंडलायुक्त डॉ, रोशन जैकब ने सोमवार को सरोजनी नगर के सेवई और नूरनगर भदरसा का निरीक्षण किया सेवई गांव में भूमि गाटा संख्या 525 और 528 पर अवैध कब्जा मिला कार्रवाई में शिथिलता बरतने पर मंडलायुक्त ने सरोजनी नगर एसडीएम डॉ, सचिन वर्मा और नगर निगम तहसीलदार

अरविन्द पाण्डेय के खिलाफ आरोप पत्र जारी करने का निर्देश दिए उप जिलाधिकारियों को भू-माफियाओं की शिकायतों को प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सभी सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराकर संरक्षित किया जाएगा और उन पर सरकारी बोर्ड लगाए जाएंगे।

लेखपालों का तहसीलदार के खिलाफ प्रदर्शन मानसिक उत्पीड़न और एसी की मांग का आरोप 3 दिन में कार्रवाई नहीं तो हड़ताल के चेतावनी

अमरोहा -अमरोहा में लेखपालों का तहसीलदार के खिलाफ प्रदर्शन मानसिक उत्पीड़न और एसी की मांग का आरोप 3 दिन में कार्रवाई नहीं तो हड़ताल के चेतावनी

अमरोहा के सदर तहसील में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने मंगलवार को तहसीलदार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया लेखपालों ने एसडीएम सुधीर कुमार को ज्ञापन सौंपा

लेखपालों का आरोप है कि तहसीलदार उनके साथ अभद्र व्यवहार कर रहे हैं बिना किसी कारण के एक के साथ आठ लेखपालों से स्पष्टीकरण मांगा गया है तहसीलदार के कार्यालय से आय और जाति प्रमाण पत्र के आवेदन देर से भेजे जाते हैं इससे आवेदन डिफाल्टर हो जाते हैं और कार्रवाई लेखपालों पर की जाती है

लेखपाल संघ के अनुसार तहसीलदार ने संघ के अध्यक्ष प्रशांत कुमार को फोन पर धमकियां दी हैं साथ ही लेखपालों से एयर कंडीशनर की मांग कर रहे हैं मांग पूरी न होने पर ट्रांसफर और कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं लेखपालो ने तहसीलदार का अमरोहा तहसील से ट्रांसफर करने की मांग की है उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर 3 दिन के भीतर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वे हड़ताल पर चले जाएंगे।

अर्बन हॉट का संचालन करेगी बेंगलुरू की कंपनी

एनपीटी ब्यूरो

बरेली ,स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बने अर्बन हॉट के संचालन के लिए एजेंसी तय हो गई है। बेंगलुरू की एक कंपनी को हर साल 6.03 करोड़ रुपये पर टेंडर दिया गया है। इसी माह स्मार्ट सिटी लिमिटेड कंपनी से अनुबंध होगा।

स्मार्ट सिटी कंपनी की ओर से करीब 157.67 करोड़ की लागत से बनवाए गए अर्बन हाट का टेंडर फरवरी में निकाला गया था। टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अफसरों के मुताबिक शर्तों पर खरी उतरने वाली वैम्याइन एंटरप्राइजेज बेंगलुरू से अर्बन हाट चलाने के लिए 30 साल का अनुबंध किया जाएगा। इसी माह अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर कराने की कार्रवाई में अधिकारी जुट गए हैं।

उद्योग विभाग की जमीन पर बने अर्बन हॉट स्थानीय जरी-जरदोजी और हस्तशिल्प कारीगरों को सुविधाएं देने के साथ ही स्मार्ट सिटी कंपनी की आय का जरिया बनेगा। हाट परिसर में बाजार के साथ मनोरंजन का भी इंतजाम किया गया है ताकि लोगों को आकर्षित किया जा सके। स्मार्ट सिटी कंपनी की आय का बड़ा जरिया अर्बन हॉट बनने जा रहा है। हर माह करीब 50 लाख रुपये से अधिक की कमाई होगी। स्मार्ट सिटी कंपनी ने टेंडर निकाले थे।

इसमें चार कंपनियों ने अर्बन हाट चलाने में दिलचस्पी दिखाई थी। इसके बाद अब टेंडर में तकनीकी और फाइनेंशियल बिड की प्रक्रिया की गई । तकनीकी और फाइनेंशियल बिड खुलने में अंकों के आधार पर कंपनी का चयन किया गया ह

"- संजीव कुमार मौर्य, सीईओ

अंतिम छोर में अटकी हुई सांसो नई जिंदगी दी

नेशनल प्रेस टाइम्स

लखनऊ । राजधानी लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में घटित घटना में पुलिस व फायर विभाग के बेहतरीन ज्वाइंट ऑपरेशन से रेस्क्यू सफल हुआ ।घुटन भरे आपातकालीन समय में भी संवेदनाओं को आगे खाकी के बेहतरीन प्रयासों की सराहना की गई।मरीजों की सांसे थम न जाये इसके लिए रेस्क्यू टीम ने खुद अपनी जान जोखिम में डालकर लोगो को बचाया।साहस और त्वरित कार्रवाई के कारण अंतिम छोर में अटकी हुई सांसो नई जिंदगी दी गई।

सभी सम्मानित किये जायेंगे योद्धा व अफसर,रेस्क्यू टीम की बहादुरी से बड़ा हादसा होने से टल गया।

पुलिस व फायर विभाग के बेहतरीन ज्वाइंट ऑपरेशन से रेस्क्यू सफल हुआ

नेशनल प्रेस टाइम्स

लखनऊ - राजधानी लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में घटित घटना में पुलिस व फायर विभाग के बेहतरीन ज्वाइंट ऑपरेशन से रेस्क्यू सफल हुआ । घुटन भरे आपातकालीन समय में भी संवेदनाओं को आगे खा खाकी के बेहतरीन प्रयासों की सराहना की गई।मरीजों की सांसे थम न जाये इसके लिए रेस्क्यू टीम ने खुद अपनी जान जोखिम में डालकर लोगो को बचाया।साहस और त्वरित कार्रवाई के कारण अंतिम छोर में अटकी हुई सांसो नई जिंदगी दी गई।

सभी सम्मानित किये जायेंगे योद्धा व अफसर,रेस्क्यू टीम की बहादुरी से बड़ा हादसा होने से टल गया।

थाना दुबग्गा पुलिस का सख्त एक्शन, अपराधियों में मचा हड़कंप

नेशनल प्रेस टाइम्स

डीसीपी पश्चिम जोन विश्वजीत श्रीवास्तव,एडीसीपी धनंजय सिंह कुशवाहा, एसीपी काकोरी शकील अहमद के निर्देशन पर थाना दुबग्गा पुलिस टीम ने पैदल गस्त किया।थाना दुबग्गा इंस्पेक्टर अभिनव कुमार वर्मा के नेतृत्व में अतिरिक्त इंस्पेक्टर जयप्रकाश यादव ने भारी पुलिस बल के साथ मोर्चा संभाला।दुबग्गा सीतापुर बाईपास से लेकर कानपुर बाईपास तक दुबग्गा पुलिस टीम ने पैदल गस्त किया।गली-चौराहों पर सतर्क निगाहों के साथ पैदल गस्त किया गया और संदिग्ध व्यक्तियों से सख्त पूछताछ की गई।हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी गई अपराध पर लगाम लगाने की तैयारी पूरी हुई।थाना दुबग्गा इंस्पेक्टर

अभिनव कुमार वर्मा के नेतृत्व पर वरिष्ठ उप निरीक्षक योगेंद्र कुमार ने अपनी भारी पुलिस बल के साथ क्षेत्रीय लोगों से संवाद कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

दुबग्गा पुलिस की पैदल गस्त से लोगों मे आत्मविश्वास और संतोष दिखा अपराधियों को मिला कड़ा संदेश अब कोई रियायत नहीं होगी।पैदल गस्त में अतिरिक्त निरीक्षक जयप्रकाश यादव, वरिष्ठ उप निरीक्षक योगेन्द्र कुमार, आम्रपाली पुलिस चौकी इंचार्ज कुलदीप कुमार, उप निरीक्षक जय बहादुर राय समेत भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

संपादकीय

राजनीतिक मतभेद भुला प्राथमिकताएं तय हों

यह विडंबना ही है कि पंजाब में आसन्न चुनौतियों को नजरअदांज करके राजनीतिक लाभ के लिये गैरजरूरी गतिविधियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में मान सरकार द्वारा विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफ मामला दर्ज करना, एक अनाश्यक राजनीतिक उकसावा ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दोराहे पर खड़ा है, जहां उसे उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावह संकट में धकेल कर अमन-शांति को ग्रहण लगाया था। इन ताकतों के खतरनाक मंसूबों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की श्रृंखला शासन-प्रशासन के साथ आम लोगों को व्यथित किए हुए है। ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि के खिलाफ समय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है। इस वक्त पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है। यह समय नहीं है कि राजनीतिक लाभ-हानि के गणित को दृष्टिगत रखकर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ दिखाई जाए। यदि पंजाब में सिर उठा रही आतंकवाद की नई चुनौती के खतरे को गंभीरता से लेने की बजाय, अभद्र भाषा की टिप्पणियों को प्राथमिकता दी जाएगी तो राज्य का बहुत कुछ दांव पर लगेगा। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि इस राजनीतिक विवाद में पुलिस को घसीटा जा रहा है। ऐसे चुनौती वाले समय में जब पुलिस का मनोबल बढ़ाकर उसकी पूरी ऊर्जा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर केंद्रित करने की जरूरत है, जो राज्य को फिर से अतीत के उस काले दौर की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उबरने में पंजाब के लोगों ने भारी कीमत चुकाई थी। कोई नहीं चाहेगा कि राज्य को फिर उस भयावह दौर से गुजरना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के समक्ष मौजूदा चुनौतियों और हिंसक अतीत को दृष्टिगत रखते हुए राजनीति प्रतिष्ठानों से संवेदनशील मामलों में संयमित और सावधान प्रतिक्रिया की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन विडंबना है कि नये सिरे से पंजाब की शांति को भंग करने की कुत्सित कोशिशों के प्रति राजनीतिक दलों द्वारा गंभीर प्रतिसाद नहीं दिया जा रहा है। हाल के दिनों में राज्य में सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की सतही बयानबाजी से तो ऐसा नहीं लगता है कि राजनेताओं द्वारा चुनौतीपूर्ण स्थितियों में परिपक्वता का व्यवहार किया जा रहा हो। सवाल है कि क्या कांग्रेस नेता बाजवा को अपने बयानों को अभिव्यक्त करने में अधिक सावधान नहीं रहना चाहिए था? निस्संदेह, उन्हें गंभीरता व परिपक्वता का परिचय देना चाहिए था। सवाल यह भी है कि उनके बयानों के जबाव में क्या सरकार की ओर से मामला दर्ज किया जाना चाहिए था? निश्चित रूप से नहीं दर्ज किया जाना चाहिए था। सत्तापक्ष और विपक्ष की कारगुजारियों को देखकर निष्कर्ष निकालना कठिन नहीं है कि दोनों की तरफ से मौजूदा परिदृश्य में प्राथमिकताएं निर्धारित करने में गलती की जा रही है। यानी बयानबाजी व कार्रवाई में संकीर्ण राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे उन तत्वों को शह मिलती है जो पंजाब के अमन-चैन को ग्रहण लगाना चाहते हैं। वक्त की मांग है कि पंजाब के दूरगामी हितों से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से ही कदापि नहीं देखा जाना चाहिए। राज्य के हित निश्चित रूप से राजनीति से ऊपर उठकर होने चाहिए। निस्संदेह, यदि राज्य सरकार की कारगुजारियों में नीतिगत खामियां हैं, तो विपक्ष को उन्हें सूचीबद्ध कर-के उजागर जरूर करना चाहिए। लेकिन आतंकवाद के खिलाफ किसी भी लड़ाई का एक स्वर में समर्थन किया जाना चाहिए। यदि जरूरत महसूस होती है तो आम आदमी पार्टी सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलाने पर भी विचार करना चाहिए। इस मामले में तथ्यात्मक स्थिति को तो उजागर करना ही चाहिए, जिससे इससे जुड़ी किसी आशंका को दूर किया जा सके। निश्चित रूप से किसी आसन्न खतरे को महसूस करके उसके खिलाफ एकीकृत प्रतिक्रिया से जहां राज्य विरोधी तत्वों का मनोबल गिरेगा, वहीं आम लोगों की आशंकाओं को भी दूर किया जा सकेगा। निश्चित रूप से आगे की राह कठिन है, लेकिन उसका मुकाबला व्यक्तिगत अहंकार व राजनीतिक स्वार्थों को त्यागने से होगा।

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं।

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है।

यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है।

इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है।

वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है।

वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे।

क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं।

मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयी। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलर्ट किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए। मौका मिलने पर हिंदुओं की हत्या करना भी टारगेट था। कुछ हिन्दुओं को मारा भी गया है। हिंदुओं के घरों के साथ मंदिरों पर हमले किए गए, घर जलाए गए, आजीविका नष्ट की गई, बलात्कार की धमकियां दी गयी, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि नए वक्फ कानून का विरोध करने वाले न केवल सांप्रदायिक घृणा में डूबे हैं, अराजकता एवं उन्माद पर सवार है, आतंकी माहौल बनाकर हिन्दुओं को भयभीय-आतंकित करना चाहते है।

क्योंकि उन्हें यह भरोसा है कि ममता बनर्जी की सरकार और उनकी पुलिस उनके खिलाफ कुछ नहीं करने वाली। ज्यादा चिन्ताजनक तो यह है कि अराजक लोग चाहते हैं पलायन करने के लिए मजबूर लोग फिर कभी अपने घरों को न लौट पाएं। इन जटिल एवं अनियंत्रित होते अराजक हालातों में शांति, सौहार्द एवं सामान्य हालातों को निर्मित करने के लिये आवश्यक है कि केंद्र सरकार बंगाल में हस्तक्षेप करने के लिए आगे आए, बल्कि यह भी अपेक्षित है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के हालात का स्वतः संज्ञान ले। उसे वक्फ कानून विरोधी हिंसक तत्वों के उपद्रव के लिए ममता सरकार को जवाबदेह बनाना ही होगा।

ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। ममता अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है? ममता एवं तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। ताजा हिंसक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। राज्य में शीर्ष संवैधानिक पद पर रहते हुए भी ममता बनर्जी ने अलोकतांत्रिक, गैर-कानूनी एवं राष्ट्र-विरोधी कार्यों को अंजाम दिया है। बंगाल में तो भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जबड़े फैलाए, हिंसा की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगल रहा है। ममता अपनी जातियों, ग्रुपों और वोट बैंक को मजबूत कर रही हैं-- देश को नहीं।

मुंबई हमले की साजिश के सूत्रधार तहव्वुर-हेडली

अमेरिकी अदालती कार्यवाही में तहव्वुर व हेडली के बीच घनिष्ठता के सबूत मिले। राणा की ट्रैवल एजेंसी द्वारा मुहैया कवर ने हेडली को वीजा देकर भारत की लगातार यात्राएं करवायीं। राणा ने हेडली को अपनी आव्रजन परामर्श फर्म का विदेशी प्रतिनिधि दिखाकर व मुंबई में कार्यालय खोलकर अंडरकवर आतंकवादी टोही अभियान चलाने में मदद की।

डेविड कोलमैन हेडली और तहव्वुर राणा की यारी तब से है, जब वे दोनों पाकिस्तान में कुलीन सैन्य शिक्षा संस्थान हसन अब्दाल कैडेट कॉलेज में साथ पढ़ते थे। आगे चलकर, तहव्वुर राणा ने हेडली की गुप्त आतंकवादी टोही गतिविधियों को कवर मुहैया करवाया।

हेडली, जिसका जन्म वाशिंगटन डीसी में दाऊद गिलानी के रूप में हुआ था, वह रेडियो प्रसारक पाकिस्तानी पिता सैयद सलीम गिलानी और अमेरिकी मां सेरिल हेडली का बेटा है। डेविड बचपन में परिजनों के साथ पाकिस्तान आ बसा। उसकी मां का तलाक हो गया और सेरिल वापस अमेरिका लौट गई। वर्ष 2013 में शिकागो में उनके खिलाफ अदालती कार्यवाही से पता चलता है कि दाऊद उर्फ डेविड पाकिस्तानी राष्ट्रवाद और इस्लामी रूढ़िवाद के माहौल में पला-बढ़ा। हेडली के अनुसार, भारत के प्रति उसकी नफरत 1971 में शुरू हुई, जब भारत-पाक युद्ध के दौरान कराची पर हमले के दौरान एक भारतीय बम भटककर उसके प्राथमिक स्कूल पर जा गिरा और दो लोग मारे गए।

17 साल की उम्र में, हेडली अपनी पाकिस्तानी सौतेली मां से झगड़ा होने के बाद फिलाडेल्फिया में अपनी असली मां के पास लौट गया। अमेरिका, पाकिस्तान और जर्मनी में नशीली दवाओं की लत के कारण 1988 में उसका पाला कानून से पड़ा, जब उसे गिरफ्तार किया गया था। आगे चलकर, अमेरिकी ड्रग प्रवर्तन एजेंसी (डीईए) ने उसे बतौर एक मुखबिर भर्ती कर लिया। 1998 में डीईए ने उसे अंडरकवर एजेंट के रूप में पाकिस्तान भेजा।

उस अवधि के दौरान, उसके संबंध लश्कर-ए-तैयबा के साथ बन गए। वह बताता है कि उसने अमेरिकी अधिकारियों की अनुमति लिए बिना पाकिस्तान की यात्राएं कीं। वर्ष 2000 में उसकी मुलाकात लश्कर के आध्यात्मिक गुरु हाफि ज सईद से हुई। वर्ष 2001 में उसने फिर से एक और साल के लिए डीईए के साथ अनुबंध साइन अप किया। इसने उसे भारतीय उपमहाद्वीप की लगातार यात्राएं करने के मौके प्रदान किए।

प्रो-पब्लिका के सेबेस्टियन रोटेला और अमेरिकन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर स्टीफन टैंकेल ने दुनिया के सामने 26/11 कांड के आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली, उसके दोस्त तहव्वुर हुसैन राणा और आईएसआई के बीच गुप्त संबंधों को उजागर करने में मुख्य भूमिका निभाई। जिसकी हवा अमेरिकी स्रोतों ने आधिकारिक तौर इससे पहले नहीं लगने दी।

2012 में नेशनल जियोग्राफि क चैनल द्वारा 26/11 हमले पर बनाई डॉक्यूमेंट्री सेकंड्स टू डिजास्टर : द मुंबई मैसेकर में स्टीफन टैंकेल और मेरे विचार शामिल किए गए थे। उस साल वे लश्कर-ए-तैयबा पर अपनी पुस्तक स्टॉर्मिंग द वर्ल्ड स्टेज का विमोचन करने मुंबई आए थे, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान की आईएसआई के बीच घनिष्ठ संबंधों का खुलासा था, जिसके वास्ते तथ्य उन्होंने 2009 में पाकिस्तान एवं भारत में वास्तविक धरातल पर किए खोज-कार्य से जुटाए थे। वर्ष 2017 में उन्होंने नेशनल प्रेस क्लब, वाशिंगटन डीसी में मेरी किताब कीपिंग इंडिया सेफ पर चर्चा सत्र की अध्यक्षता की थी। सेबेस्टियन रोटेला को व्यक्तिगत रूप से मैं जून, 2013 में ही जान पाया था, जब वे पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेस के वास्ते 2011 में बनाई अपनी डॉक्यूमेंट्री ए परफेक्ट टैररिस्ट के द्वितीय अंक के लिए मेरा इंटरव्यू रिकॉर्ड करने मुंबई आए थे। पहले अंक में हेडली का मुंबई और डेनमार्क से राब्ता कैसे बना, यह बताया गया था। वह यह जांच भी कर रहे थे कि अमेरिकी एजेंसियों ने हेडली की संलिप्तता और भारत की लगातार यात्राओं के बारे में भारतीय अधिकारियों को सतर्क क्यों नहीं किया, जबकि एक अमेरिकी राजनयिक अधिकारी ने इस्लामाबाद में उसकी पत्नी से पूछताछ करने के बाद एफबीआई, डीईए और सीआईए को इसकी सूचना दी थी।

\जनवरी, 2013 में अमेरिकी शिकागो जिला न्यायालय के न्यायाधीश हैरी लीनेनवेबर ने डेविड कोलमैन हेडली को मुंबई नरसंहार की साजिश के हिस्से के तौर पर पूर्व-टोही अभियान में उसकी गहरी संलिप्तता के कारण 35 साल की जेल की सजा सुनाई। शिकागो में गवाहों में अमेरिकी लेखिका लिंडा रैग्सडेल भी शामिल थीं, जो 26/11 के हमले के दौरान घायल हुई थीं, जबकि उनके साथ खाने की मेज पर बैठे दो अन्य लोग मारे गए थे। अदालती कार्रवाई से पता चलता है कि पहले ही प्ली बार्गेन एग्रीमेंट के तहत कबूलनामा कर चुके हेडली ने पाकिस्तान में अपने घर में टीवी पर लाइव कवरेज में मुंबई हमले का नजारा लिया था।

हेडली ने अदालत को बताया कि उसने 2002 से 2005 के बीच पांच बार पाकिस्तान में लश्कर के प्रशिक्षण शिविरों में भाग लिया था। 2005 के अंत में, उसे टोही अभियान चलाने के लिए भारत की यात्रा करने के निर्देश मिले, जो उसने पांच बार की। अदालती कार्यवाही से यह भी संकेत मिलता है कि लीनेनवेबर ने अभियोजन पक्ष के उस अनुरोध के प्रति अरुचि दिखाई, जिसमें मुंबई में तीन दिन चले नरसंहार की भयावह प्रकृति में हेडली की संलिप्तता के बावजूद उसे कानून के तहत अधिकतम सजा न देने की मांग की गई थी। भले ही अमेरिकी अटॉर्नी पैट्रिक फिट्जगेराल्ड ने उसके पूर्ण रूपेण कबूलनामे के मद्देनजर नरमी बरतने का अनुरोध किया, लेकिन जज ने बताया कि हेडली को पहले भी दो बार उदार प्ली बार्गेन मिल चुके हैं, जब उस पर 1980 और 1990 के दशक में हेरोइन तस्करी का आरोप लगा था। उन्होंने कहा कि वह उसे इतनी लंबी सजा सुना रहे हैं, जो उसे बाकी बचे प्राकृतिक जीवन तक जेल में बंद रखे।2013 में यूएस शिकागो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज हैरी लीनेनवेबर की अदालत में तहव्वुर राणा के खिलाफ चली अदालती कार्यवाही उसके और हेडली के बीच घनिष्ठ मित्रता का सबूत देती है, खासकर इस बारे में कि कैसे राणा की ट्रैवल एजेंसी द्वारा मुहैया कवर ने हेडली को भारत और पाकिस्तान की लगातार यात्राएं करने का मौका दिया। राणा, जिसे आव्रजन सलाहकार बताया गया था, उसने हेडली को अपनी आव्रजन परामर्श फर्म का विदेशी प्रतिनिधि दिखाकर अंडरकवर आतंकवादी टोही अभियान चलाने में मदद की। उसने हेडली को मुंबई में एक कार्यालय खोलकर दिया, व्यवसाय कार्ड का उपयोग करने देकर, वीजा प्राप्त करने में और अनन्य तरीकों से अंडरकवर बने रहने की सहूलियतें प्रदान कीं।

जज हैरी लेननवेबर ने लश्कर-ए-तैयबा की आतंकवादी गतिविधियों को भौतिक रूप से सहायता प्रदान करने और पैगंबर मुहम्मद के कार्टून प्रकाशित करने वाले डेनिश अखबार पर हमला करने की साजिश में शामिल होने के दोहरे आरोपों के लिए राणा को चौदह साल की जेल की सजा सुनाई। हालांकि, उन्होंने उसे मुंबई 26/11 हमलों में भौतिक रूप से मदद करने के आरोप से बरी कर दिया। इसमें उन्होंने ज्यूरी के निष्कर्ष से आंशिक रूप से सहमति व्यक्त की, जिसने राणा की इस दलील को स्वीकार किया था कि उसे मुंबई हमले की साजिश के बारे में कुछ पता नहीं था और लश्कर का समर्थक होने के बावजूद 2008 के नरसंहार में उसने कोई भूमिका नहीं निभाई। हालांकि, जज ने पाया कि नवंबर, 2008 में मुंबई में जो कुछ हुआ उसके बाद राणा को ऐसे संबंधों की घातक क्षमता के बारे में पता अवश्य होगा। इसलिए उन्होंने दंड कानून के प्रावधान के तहत सजा को 11 साल से बढ़ाकर 14 साल कर दिया।

महुनागर में डॉ भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव पर निकल गई शोभायात्रा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद। तहसील क्षेत्र के ग्राम महुनागर में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव पर शोभा यात्रा निकाली गई भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष सुनील सागर के नेतृत्व में रैली को निकला गया और स्टूडेंट फेडरेशन के जिला अध्यक्ष सुखबीर आजाद ने फीता काटा शुभारंभ किया इस मौके पर शाकिर अली जिला उपाध्यक्ष संगठन सचिव विनोद कुमार जिला प्रवक्ता प्रमोद कुमार ग्राम प्रधान संतोष सिंह राजीव सागर विजय रैली में तमाम क्षेत्रवासी शामिल हुए

भाकियू टिकैत ने मासिक पंचायत कर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन जिलाध्यक्ष पंचायत में हुए शामिल

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद । मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत शाहबाद ब्लॉक की मासिक पंचायत पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस शाहाबाद में आयोजित की गई पंचायत में मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष जगजीत सिंह गिल ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कटाई का समय चल रहा है कटाई के बाद तहसील शाहबाद में एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा तहसील अध्यक्ष चौधरी सुंदर पाल सिंह के नेतृत्व में पंचायत कर क्षेत्र के किसानों से संबंधित समस्याओं का ज्ञापन एसडीएम की अनुपस्थिति में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में मांग की गई की राणा शुगर मिल द्वारा शासनादेश के विपरीत किसानों को उचित दामों पर गन्ने का बीज उपलब्ध कराया जाए। आवारा पशु एवं बंदरों का आतंक है इन्हें जल्द पकड़वाया जाए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जन्म प्रमाण पत्र के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है रमपुरा बिजली घर को जल्द चालू कराया जाए शाहाबाद तहसील में भ्रष्टाचार चरम पर है अंश सही करने के नाम पर किसानों से अवैध वसूली की जा रही है राणा शुगर मिल से किसानों का जल्द भुगतान कराया जाए। तहसील शाहाबाद क्षेत्र में अवैध नर्सिंग होम चलाए जा रहे हैं जो कि किसानों को बर्बाद कर रहे हैं उनके शीघ्र जांच कर कर कार्रवाई की जाए गांव में प्रधानमंत्री आवासों मैं पत्रों को योजना का लाभ दिया जाए पंचायत में मौजूद रहे,सरदार जगजीत सिंह गिल जिला अध्यक्ष रंजीत यादव जिला अध्यक्ष युवा चौधरी सुंदर पाल सिंह तहसील अध्यक्ष खुशीराम यादव ब्लॉक अध्यक्ष ,नावेद खान जिला सचिव सुखविंदर सिंह लखविंदर सिंह राजवीर सिंह यादव युवा ब्लॉक अध्यक्ष महावीर सिंह धनगर,नरेंद्र यादव युवा जिला उपाध्यक्ष जोगेंद्र सिंह,युवा जिला सचिव तेजपाल सिंह लोधी चौधरी, तेजपाल सिंह रामस्वरूप मोरिया प्यारेलाल मोरिया वीर सिंह मोरिया निशांत चौधरी प्रशांत चौधरी अंसार सैफी कमल सिंह महेंद्र सिंह छत्रपाल सिंह नवल किशोर मोरिया हरकिशन मोरिया प्रेम सिंह बलवीर सिंह जगतपाल सिंह ओम प्रकाश सिंह अवधेश तेजराम सिंह किशन लाल सिंह राहुल यादव विजयपाल सिंह होरीलाल सिंह गुफरान खान लालाराम यादव आले हसन जमील अहमद महेंद्र सिंह जाबिर मोहम्मद मौजूद रहे

बिना मरीज के आयुष्मान से चल रहा इलाज डीएम ने बैठाई जांच टीम पहुंची शाहाबाद सीएचसी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद। पिछले दिनों शाहबाद सीएशाहबाद सीएचसी पर तैनात आयुष्मान मित्र पर बिना मरीज को भर्ती किए इलाज दिखाने के आरोप लगे थे।आयुष्मान अपडेट करानेचसी पर तैनात आयुष्मान मित्र पर बिना मरीज को भर्ती किए इलाज दिखाने के आरोप लगे थे।आयुष्मान अपडेट कराने गए नगर निवासी एक व्यक्ति ने सीएचसी पर जमकर हंगामा करते हुए आयुष्मान मित्र पर आरोप लगाया था कि वह बिना बीमार हुए मरीज को भी भर्ती दिखा रहा है, हंगामे के दौरान सीएचसी पर अफरातफरी का माहौल बन गया। सीएचसी अधीक्षक ने मामला उनकी जानकारी में नहीं होने की बात कही थी और जांच कराने का आश्वासन देकर मामला शांत करा दिया था। उधर डीएम जोगिंदर सिंह ने प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए और जांच करने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दी। कमेटी में एसडीएम रामपुर हर्षवर्धन सिंह, कोषाधिकारी रणजीत सिंह और डॉक्टर सत्यप्रकाश को शामिल किया गया।जांच कमेटी मंगलवार को शाहबाद के सीएचसी पहुंची और पूरे प्रकरण की जांच पड़ताल शुरू की। जांच के रजिस्टर आदि चेक किए गए। सीएचसी अधीक्षक डॉ मोहित रस्तोगी, बीपीएम विकास कुमार आदि मौजूद रहे।

राधा रानी मंदिर में महिला श्रद्धालुओं से मारपीट, सुरक्षा गार्ड ने धक्का देकर गिराया

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा के बरसाना में राधा रानी मंदिर में दर्शन करने आई महिला श्रद्धालुओं और मंदिर की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा गार्डों के बीच मारपीट की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। मारपीट की वीडियो वायरल होते ही लोगों ने सुरक्षा गार्डों के प्रति नाराजगी प्रकट की। पुलिस के पास किसी ने शिकायत नहीं की है। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई। इसमें राधा रानी मंदिर में दर्शन करने आई महिला श्रद्धालुओं से सुरक्षा गार्ड मारपीट करते हुए दिख रहे हैं। इस पर लोग प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। लोगों ने मंदिर में तैनात सुरक्षा गार्डों पर व सेवायतों पर तानाशाही करने तक के आरोप लगाए। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि महिला श्रद्धालुओं के साथ सुरक्षा गार्ड मारपीट कर रही है। इतना ही नहीं गार्ड ने एक महिला श्रद्धालु को धक्के देकर गिरा दिया, गनीमत रही की महिला श्रद्धालु को कोई गंभीर चोट नहीं आई। बताया जा रहा है कि यह महिला श्रद्धालु पंजाब से राधा रानी दर्शन करने आई थीं। थाना प्रभारी राजकमल यादव ने बताया कि मंदिर में महिला श्रद्धालुओं से मारपीट की वीडियो वायरल तो हो रही है। किंतु किसी भी श्रद्धालु ने थाने शिकायत नहीं दर्ज कराई है।

व्रन्दावन में श्रद्धालु पिटते रहे, मूकदर्शक बनी रही पुलिस

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। वृंदावन में शहर की अट्टला चुंगी पर श्रद्धालुओं को कुछ युवकों ने जमकर पीटा, जबकि चौराहे पर खड़ी पुलिस मूकदर्शक बनी सब देखती रही। जब लोगों ने वीडियो बनाना शुरू किया तो दो सिपाहियों ने बीच बचाव कराया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अट्टला चुंगी चौराहे पर रविवार को बांकेबिहारी मंदिर के दर्शन करने बिहार से आए श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की गई। इस पूरे घटनाक्रम का 16 सेकंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें कुछ युवक श्रद्धालुओं को लात-घूंसे मारते नजर आ रहे हैं। घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मी मूकदर्शक बने रहे। श्रद्धालु की पत्नी और उसकी बेटी को भी नहीं बख्शा गया। उन्हें भी पीटा। इधर, हमलावर वीडियो बनाने वाले युवक को भी खुलेआम धमकी देने लगे। वीडियो बनती देख दो सिपाही बीच बचाव करने आए और आरोपियों को मौके से जाने दिया गया। पुलिस के अनुसार श्रद्धालुओं का एक ऑटो चालक से विवाद हो गया था। चालक के साथियों ने श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की थी। बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया।

जल्द जगमगाएंगे नगर निगम के कार्यालय व पार्क, सोलर पैनल का काम आखिरी चरण पर

पार्कों में सोलर पैनल के माध्यम से होगा प्रकाश, बिजली की खपत कम कर वैकल्पिक ऊर्जा के प्रयोग पर जोर, महानगर के सिविल लाइंस, आशियाना सहित अन्य कई पार्कों में लग रहे सोलर पैनल।

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

मुरादाबाद। महानगर के कई सरकारी भवनों पर सोलर रूफ टाफ लगाने के बाद अब पार्कों व सार्वजनिक स्थानों पर नगर निगम की ओर से सोलर पैनल लगाकर उसे जगमग किया जा रहा है। इससे जहां बिजली की खपत कम होगी, वहीं नगर निगम के खर्च में भी कमी आएगी। कई प्रमुख पार्कों को सोलर पैनल से जगमग करने का काम लगभग आखिरी चरण में है।

पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोत पर निर्भरता कम कर सौर ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए पहले स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से सरकारी भवनों पर सोलर रूफ टाप लगाया गया। इसके माध्यम से इन सरकारी भवनों पर बिजली के बिल का खर्च खत्म कर सोलर ऊर्जा के माध्यम से उपकरणों का प्रयोग किया जा रहा है। अब नगर निगम प्रशासन ने महानगर के सभी पार्कों में सोलर पैनल लगाकर उसकी लाइटिंग व्यवस्था की जा रही है।

महानगर के आशियाना फेज एक, फेज दो के अलावा रामगंगा विहार के दीनदयाल नगर, सिविल लाइंस आदि के पार्कों में सोलर पैनल लगाकर हर खंभे पर प्रकाश की व्यवस्था कर दी है। सौर ऊर्जा के प्रयोग से बिजली के बिल का झंझट खत्म होने पर पथ प्रकाश में खर्च भी कम आएगा। जिससे नगर निगम का बड़ा राजस्व बचेगा। इस व्यवस्था को सभी पार्कों में लागू किया जाना है। जिससे बिजली की खपत कम होने से नगर निगम का खर्च भी कम होगा। इससे बचे धन का दूसरे विकास कार्यों में उपयोग किया जा सकेगा।

नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल का कहना है कि सोलर पैनल लगाकर पार्कों के अंदर व बाहर पथ प्रकाश की व्यवस्था कराई जा रही है। सार्वजनिक स्थानों पर भी यह लगाया जाएगा। आने वाले दिनों में इसे और विस्तारित किया जाएगा।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद। भमौरा- शाहबाद स्टेट हाइवे पर तहसील क्षेत्र के भगवन्तपुर गांव के बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को सीएचसी पहुंचाया। जहां से पंचनामे की कार्यवाही की गई।मंगलवार देर शाम में जनपद सम्भल के बाकरपुर बेहतरी गांव निवासी दो सगे भाई अशोक(20) और अजय(18) बाइक पर सवार होकर बदायूं के वजीरगंज थाना क्षेत्र स्थित अपने फूफा के यहां से वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे। तभी रास्ते में शाहबाद थाना क्षेत्र के भगवन्तपुर तिराहे के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवकों की मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। जिसमें दोनों युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया

अमरोहा में अंबेडकर जयंती को लेकर अभद्र टिप्पणी सोशल मीडिया पर जाति सूचक शब्दों का किया प्रयोग पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

अमरोहा में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर एक विवादास्पद मामला सामने आया है अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के घना गांव में दो युवको ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया इस वीडियो में उन्होंने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर अभद्र टिप्पणी की स्थानीय निवासी किशोर चंद ने इस मामले की शिकायत पुलिस से की पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है आरोपियों की पहचान प्रिंस राजूवीर का पुत्र और मोहित महिपाल का पुत्र के रूप में हुई है किशोर चंद ने बताया कि गांव में हर साल बाबा साहब की जयंती पर जुलूस निकाला जाता है इस बार आरोपियों की अभद्र टिप्पणी से दलित समाज में रोस व्याप्त है थाना प्रभारी बालेंद्र सिंह के अनुसार मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

महाकुंभ में माला बेचकर चर्चित हुई साध्वी हर्षा रिछारिया का राया में जोरदार स्वागत

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। राया में महाकुंभ प्रयागराज में माला बेचकर प्रसिद्ध हो चुकी हर्षा रिछारिया का राया आगमन पर कस्वा वासियो ने जोरदार स्वागत किया। सनातनियो को जोड़ने के लिए वृंदावन से संभल तक 175 किलोमीटर की दूरी तय कर सनातन युवा जोड़ो पैदल यात्रा को निकली साध्वी हर्षा का बलदेव मार्ग पर समाजसेवी भूपेश अग्रवाल ने स्मृति चिन्ह देकर जोरदार स्वागत किया। वृंदावन से प्रारंभ हुयी उक्त पदयात्रा 21 अप्रैल को संभल पहुचेगी। इस दौरान ब्रज प्रान्त धमार्चार्य मुकुंद दास महाराज महन्त रामदास महाराज योगी अजय आदित्यनाथ गोरखपुर वीर प्रताप सिंह मात्र शक्ति विश्व हिंदू परिषद सयोजिका प्रियंका सह सयोजिका उषा चौधरी हेमा चौधरी सयोजिका प्रखंड नरेश रावत पुनीत चौबे सचिन अग्रवाल मनोज अग्रवाल हरीश गर्ग शिवानी चौधरी आकाश चौधरी पहलवान आदि मौजूद रहे। विश्राम के बाद पदयात्रा अलीगढ़ के लिए प्रस्थान कर गयी।

मथुरा रिफाइनरी ने किया संविधान निमार्ता डॉ. अंबेडकर को नमन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। मथुरा रिफाइनरी ने डॉ भीमराव अंबेडकर का 134वां जन्मोत्सव श्रद्धा और सम्मान के साथ मनायो रिफाइनरी नगर स्थित एम्प्लॉईस क्लब में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मथुरा रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक व रिफाइनरी प्रमुख श्री मुकुल अग्रवाल ने कार्यक्रम के शुरूआत संविधान निमार्ता बाबा साहब की तस्वीर पर माल्यार्पण करके की कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों की संख्या में आस- पास के स्कूलों के जरूरतमन्द बच्चे, रिफाइनरी वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी, ऑफिसर्स एसोसिएशन और कर्मचारी संघ के पदाधिकारी भी उयस्थित थे सभी को संबोधित करते हुए श्री मुकुल अग्रवाल ने कहा कि डॉ अंबेडकर के नेतृत्व में भारत को एक मजबूत संविधान मिला जिसने हमें न सिर्फ अधिकार दिये बल्कि हमारे कर्तव्यों को भी परिभाषित किया है उन्होने कहा कि बाबा साहब एक विद्वान थे जिन्होने देश से कई कु-प्रथाओं को मिटाने में योगदान दिया और जरूरतमंदों और महिलाओं के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित कर दियो उनका जीवन एक मिसाल है और हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिऐ अंबेडकर जयंती के अवसर पर सामाजिक कल्याण की ओर महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मथुरा रिफाइनरी ने 270 जरूरतमन्द बच्चों को स्कूल बैग और स्टेशनरी सामाग्री का वितरण किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की इस कार्यक्रम की अगुवाई रिफाइनरी की एससी / एसटी एम्प्लॉईस वेलफेयर एसोसिएशन (सेवा) ने की।

लव जिहाद का खेल | मथुरा के महिला ब्यूटी पार्लरों में लव जिहाद का खेल चल रहा

योगी आदित्यनाथ को लिखा गया पत्र

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष एवं प्रमुख वादी पंडित दिनेश शर्मा फलाहारी ने मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में महिला ब्यूटी पार्लरों में मुस्लिम युवकों की एंट्री पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी को पत्र लिखा है। उनका आरोप है कि मुस्लिम युवक ब्यूटी पार्लरों में कार्यरत महिलाओं को स्पर्श करते हैं और बाद में उन्हें प्रेमजाल में फंसा कर 'लव जिहाद' की घटनाओं को अंजाम देते हैं। दिनेश फलाहारी ने कहा कि मथुरा में कई मुस्लिम युवक ब्यूटी पार्लर में हेयर कटिंग और अन्य सेवाओं के नाम पर काम करते हैं और धीरे-धीरे महिलाओं से नजदीकियां बढ़ाते हैं। उन्होंने दावा किया कि इसके बाद ये युवक लड़कियों को भगाकर कोर्ट मैरिज करते हैं और फिर अन्य शहरों में ले जाकर बेच देते हैं। फलाहारी का कहना है कि इन युवकों को मुस्लिम संगठनों से आर्थिक सहायता भी मिलती है। उन्होंने ऐसे ब्यूटी पार्लर संचालकों पर भी सख्त कार्रवाई की मांग की है, जो मुस्लिम युवकों को महिला ग्राहकों के साथ काम करने की अनुमति देते हैं। उनका कहना है कि यह सिर्फ स्थानीय नहीं, बल्कि पूरे देशभर में हो रही घटनाओं का हिस्सा है। राम की दासी युगेश्वरी देवी जी ने भी इस विषय पर चिंता जताते हुए कहा कि पहले ये युवक स्कूलों के बाहर देखे जाते थे, लेकिन अब उन्होंने स्थान बदलकर ब्यूटी पार्लरों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। महामंडलेश्वर रामदास जी महाराज ने भी मांग की है कि अगर श्रृंगार आवश्यक है, तो केवल सनातनी हिन्दू युवकों से ही करवाया जाए और मांसाहारी मुस्लिम युवकों से दूरी बनाई जाए। उन्होंने हिंदू समाज से ऐसे ब्यूटी पार्लरों का बहिष्कार करने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि यूपी में लव जिहाद की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इनमें कई लड़कियों की जान तक जा चुकी हैं। यही वजह है कि सीएम योगी को पत्र लिखा गया है।

डीएम-एसपी ने युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए किया प्रेरित

चित्रकूट ब्यूरोः जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत ह्यविकसित भारत का मंत्र, चित्रकूट हो नशे से स्वतंत्रह्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने कहा कि आज के समय में नशा बहुत ही खतरनाक है। आजकल विद्यार्थियों में भी नशे का ट्रेंड शुरू हो गया है। कहा कि किसी देश को खत्म करने के लिए नशे का प्रयोग किया जाता है। भारत देश में भी नशे की बहुत बड़ी साजिश रची जा रही है। आप लोग उनके गिरफ्त में ना आए तथा नशे से बचने के लिए मोटिवेट रहे। नशा से दूर रहकर अच्छी शिक्षा ग्रहण करके उच्च पदों पर सुशोभित होकर अपने परिवार, जिले, प्रदेश व देश का नाम रोशन करें। खेलकूद, योगा आदि अपनाकर मानसिक संतुलन ठीक रखेंगे, तो अच्छे नागरिक बनेंगे। कहा कि बिना हेलमेट व नशा करके वाहन न चलाएं। इससे बहुत सड़क दुर्घटनाएं होती है, जिससे परिवार की क्षति होती है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशे के कारोबार के पीछे मुनाफा से जुड़े अंधे लोग समाज को बर्बाद कर रहे हैं। नशे के कारण समाज के नागरिक विसंगतियों की तरफ विमुख होते जा रहे हैं। विद्यार्थियों से कहा कि निःस्वार्थ भाव से नशा मुक्ति के लिए, लोगों को जागरूक करें, तभी इस समाज का भला होगा। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ राजेश कुमार पाल ने कहा कि आप लोग नशा से दूर रहें तथा जो व्यक्ति नशा करता है, उसको सचेत करें और जागरूक करके नशा से मुक्त कराएं। नशा व्यक्ति का नाश करता है, समाज का नाश करता है। आप सभी स्वयं व अपने परिवार को नशे से दूर रखें। इस दौरान जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक ने सेवा भारती के महामंत्री राज किशोर शिवहरे को प्रशस्ति पत्र भी दिया।

इस मौके पर जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, प्राध्यापक डॉ वंश गोपाल सहित अन्य प्राध्यापक, रामहित सेवा समिति के रोहित सिंह पटेल, विद्यार्थी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

महिला के साथ तीन व्यक्तियों ने की मारपीट

ललितपुर थाना बार के ग्राम गढ़िया निवासी कमलेश पत्नी चन्द्रपाल ने पुलिस को तहरीर देकर 11 अप्रैल को गांव में रहने वाले अरविन्द कुशवाहा पुत्र मुनालाल सहित तीन नामजद आरोपितों पर गाली गलौज करने से मना करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कराया है।

बस स्टैण्ड पर एक ग्रामीण को पीटा

ललितपुर थाना मदनपुर के ग्राम हसेरा निवासी अभिराज पुत्र हरकिशन ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर ग्राम भौती निवासी देवेन्द्र पुत्र हीरदा पर बीते रोज ग्राम भौती के बस स्टैण्ड पर गाली गलौज करने से मना करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

गाली गलौज कर की मारपीट

ललितपुर थाना बानपुर के ग्राम कैलगुवां निवासी रामकिशन पुत्र मर्दन साहू ने पुलिस को बताया कि बीते रोज वह गांव में था। तभी गांव का सुरेश पुत्र मर्दन साहू अपने दो अन्य साथियों के साथ आकर गाली गलौज कर मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी देने लगा। पुलिस ने मारपीट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

महिला ने चार व्यक्तियों पर लगाये मारपीट के आरोप

ललितपुर। थाना जखौरा के ग्राम लालौन निवासी शीला पत्नी बारेलाल ने पुलिस को बताया कि 11 अप्रैल को वह गांव में थी। इसी दौरान गांव का प्रागी पुत्र गुमान अहिरवार अपने तीन अन्य साथियों के साथ आकर गाली गलौज कर मारपीट करने लगा, विरोध करने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने चार नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

दम्पत्ति के साथ की मारपीट

ललितपुर` शहर कोतवाली के ग्राम जिजयावन में दम्पत्ति के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने केस दर्ज किया है। ग्राम जिजयावन के मोहल्ला पण्डाखेरा निवासी पूजा पत्नी गोविन्द यादव ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 11 अप्रैल को वह अपने पति के साथ गांव में थी। तभी गांव में रहने वाला विपक्षी धर्मेन्द्र पुत्र सुल्तान सिंह अपने एक अन्य साथी के साथ आकर गाली गलौज करने लगे, मना करने पर आरोपित पीडिता व उसके पति के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने दो नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पति समेत पांच परिजनों पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

तालबेहट पूराकलाँ थाना क्षेत्र के ग्राम भुचेरा निवासी महिला ने शिकायती पत्र देकर गुरसरांय निवासी पांच ससुराली जनों पर दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

भुचेरा निवासी सरिता पुत्री उमाशंकर नायक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 20 मई 2022 को उसकी शादी हिन्दू रिति रिवाज के कुशकान्त पुत्र महादेव नायक नि० ग्राम आलमपुरा थाना गुरसराय के साथ सम्पन्न हुई थी। शादी के 6 माह बाद ही उसके पति कुशकान्त, ननद सरिता पति नीरज, नीतू पति चन्द्रप्रकाश, ससुर महादेव, सास किरन पति ने उसके साथ मारपीट कर उसका उत्पीड़न करने लगे। उसके ससुरालजन फोर व्हीलर गाडी व सोने की चैन व नगदी पाँच लाख रुपया की डिमांड करने लगे। मेरी सास मुझसे कहती है कि तुम्हारी मां ने कम दहेज देकर मेरी नाक समाज में कटवा दी है। दहेज लेकर आओ वर्ना हम तुम्हे रखेंगे नही हम अपनी दूसरी शादी कर लेगें। उक्त आरोपी ससुराल वाले आए दिन उसके साथ मारपीट कर उसे जान से मारने की धमकी देते हैं। पुलिस ने सास ससुर पति और ननद समेत देवर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

घर मे घुसकर महिला से छेड़खानी, आरोपी पैर मुकदमा दर्ज

तालबेहट` पूराकला के ग्राम झावर निवासी हल्कू पत्नी इन्दर राजपूत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दि० 8.04.25 को रात करीब 12.00 बजे रात के अपने घर मे पर अकेली थी। पति खेत पर गेहूं की थ्रेसिंग करने गये थे। तभी रात में मातेरा के रहने वाले ब्रजेश राजपूत मेरे घर में घुस आया व मेरे कमरे का दरवाजा बन्द करके मुझे जबरन पकड लिया। वह मुझे छेड़खानी करने लगा जब मैंने कहा कि रुको मेरे पति आते ही होंगे तो आरोपी अगली बार जबरदस्ती संबंध बनाने की कहकर की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी युवक पर छेड़?खानी का मुकदमा दर्ज कर मामले की पड़ताल शुरू कर दी।

स्वच्छता अभियान के प्रति स्वयं सहायता समूह की महिलाएं नगरवासियों को करेंगी जागरूक

चित्रकूट ब्यूरोः स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगर पालिका परिषद चित्रकूटधाम द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आम जनमानस को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

गोष्ठी में अधिशासी अधिकारी लालजी यादव ने स्वयं समूह की महिलाओं से कहा कि गीलू एवं सूखे कचरे को कूड़ा गाड़ी अलग-अलग डालने के अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करें। साथ ही इस सम्बन्ध में टीम बनाकर प्रत्येक वार्डों में घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने का कार्य करें। स्वच्छ भारत मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिवा कुमार एवं सफाई एवं खाद्य निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला ने कहा कि मकान व दुकान का कूड़ा नगर पालिका की गाड़ियों में अलग-अलग करके दें। बताया कि गीले कूड़े से घर में ही खाद बनाई जा सकती है। बताया कि संचारी रोग अभियान के अंतर्गत प्रत्येक वार्डों में नाली सफाई, एंटी लार्वा एवं फॉगिंग का कार्य किया जा रहा है, जिसकी मॉनिटरिंग भी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाना है। कहा कि पॉलिथीन प्रयोग न करने के लिए भी प्रत्येक वार्डों में लोगों को जागरूक करें तथा लोगों को इसके होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताए। जिससे साफ एवं सुंदर चित्रकूट की परिकल्पना को साकार किया जा सके। कहा कि इस कार्य में सभी नगरवासियों का सहयोग अपेक्षित है। इस मौके पर उत्तम सिंह, राजेंद्र राम, अशरफ सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

चित्रकूट में हो भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापना- संजू

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

चित्रकूट ब्यूरोः भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर सवर्ण आर्मी, ब्राह्मण महासभा एवं बजरंग सेना के सदस्यगणों ने चित्रकूट के मुख्य चैक पर स्थान आवंटित करते हुए भगवान परशुराम की भव्य प्रतिमा स्थापित करने की मांग की।

युवा समाजसेवी संजू चतुर्वेदी ने बताया कि भगवान परशुराम उनके आराध्य हैं और हिंदू समाज के शौर्य, तप और न्याय के प्रतीक हैं। उनकी प्रतिमा स्थापित होना चित्रकूट की सांस्कृतिक गरिमा को और भी ऊँचाई देगा। हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी से मांग की कि इस कार्य के लिए स्थान आवंटित करते हुए प्रतिमा स्थापना की दिशा में कदम उठाएं।

नेशनल एंटी करपशन एंड ऑपरेशन कमिटी ऑफ इंडिया ने किया मासिक बैठक का आयोजन

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर -डॉक्टर राजेश शुक्ला राष्ट्रीय अध्यक्ष नेशनल एंटी करपशन एंड ऑपरेशन कमिटी ऑफ इंडिया के श्रीमति बबिता ओझा जिला अध्यक्ष महिला के निज निवास पर मासिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पिछले माह किए गए कार्यों की समीक्षा की गई एवं आगामी माह में किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई जिसके अन्तर्गत भ्रष्टाचार निवारण हेतु जनता को जागृत करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किए जाने पर चर्चा हुई तत्पश्चात डॉक्टर भीमराव अंबेडकर बाबा जी के जन्म दिवस बारे धूम धाम से मनाया गया सर्व प्रथम माननीय भीम राव अम्बेडकर बाबा के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रजलित किया गया अरविन्द कुमार सक्सेना जिलाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश संयोजक ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का जन्म 14अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश महू में हुआ था डॉक्टर अंबेडकर सामाजिक सुधारक जातिवाद और भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी और दलितों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई श्रीमती प्रतिमा ओझा उत्तर प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉक्टर अंबेडकर का नारा था शिक्षित बानो,संगठित रहो और संघर्ष करो बबिता ओझा जिला अध्यक्ष ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती का महत्व भारतीय राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक,विधिवेता की याद में मनाई जाती है उक्त कार्यक्रम में मिंटू बाल्मिकी,सौरभ जेजुरकर,सुनीता सोनी, स्पअर्ह श्रीवास्तव,अरविंद कुमार संज्ञा जिला अध्यक्ष ललितपुर,अंबिका श्रीवास्तव, प्रीति रैकवार,उषा वर्मा,मंजू लता गुप्ता आदि पदाधिकारी उपस्थित थे अंत में सौरभ जेजुरकर ने कार्यक्रम का संचालन एवं एवं मिंटू बाल्मिकी ने आभार व्यक्त किया

नेहरू युवा केंद्र ललितपुर के तत्वावधान में बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई गई

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर- युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र ललितपुर द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन पनारी स्थित पहलवान गुरुदीन प्रशिक्षण महाविद्यालय में बाबा साहब की प्रतिमा पर साफ सफाई व माल्यार्पण कर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सभी को संविधान की उद्देशिका का वाचन भी कराया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ महेश कुमार झा, फ्यूचर फॉरवर्ड फाउंडेशन के सचिन तिवारी, एडवोकेट अवतार सिंह, एडवोकेट राजेश शाहू ने कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। जिसमें अध्यक्ष डा महेश कुमार झा ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब ने समाज में एक जागृति पैदा की लोगों को शिक्षित बनो, संगठित रहो ,संघर्ष करो ,का मूल मंत्र दिया बाबा साहब ने दलितों के लिए अपमान सहकार शिक्षा की अलग जगायी लोगों को छुआछूत मिटाने के लिए प्रेरित किया वह एक सच्चे समाज सुधारक महान व्यक्तित्व के धनी थे। विशिष्ट अतिथि अवतार सिंह ने कहा कि बाबा साहब समाज में जो छुआछूत असमानता का वातावरण था उसके लिए आंदोलन कर समानता और शिक्षा का अधिकार दिया। इसी क्रम में सचिन तिवारी ने कहा कि बाबा साहब ने संघर्ष और अपनी बुद्धिमत्ता का जगह-जगह परिचय दिया उन्होंने भारत को एक लोकतांत्रिक संविधान दिया जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए कानून बने उनमें देवत्व विद्वमान था वह एक देवता के रूप में जाने जाते हैं। विकास चौरसिया ने कहा कि बाबा साहब ने गुलामी से जकड़े भारत में लोगों को जगाने का कार्य किया 1927 में आंदोलन से दलित उत्थान के लिए संघर्ष किया उसके बाद वायसराय परिषद में श्रम मंत्री रहकर श्रमिक संगठनों की स्थापना व एक्एम्- एद्यद्र जैसी सुविधाओं से महत्वपूर्ण कार्य श्रमिकों को के हित में किए किए आजाद भारत में विधि मंत्री रहे बाद में बौद्ध धर्म का प्रचार करते हुए बौद्ध धर्म अपनाया कार्यक्रम के अंत में एक प्रभात फेरी का आयोजन किया गया जिसमें बाल ग्रह के बच्चों सहित अन्य युवाओं ने भी प्रतिभाग किया सभी का आभार गंगाराम विश्वकर्मा ने व्यक्त किया ।

परशुराम जयंती की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

राजापुर, चित्रकूटः नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव मिश्रा की अगुवाई में भगवान परशुराम के जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाए जाने के सम्बन्ध में पंचायत सभागार में क्षेत्र के लोगों के साथ एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी में उपस्थित सभी लोगों ने आयोजन के सम्बन्ध में अपने विचार रखें तथा सभी लोगों की राय लेते हुए आगामी कार्यक्रम की रूप-रेखा तैयार की गयी। साथ ही कार्यक्रम को भव्यतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए सभी को जिम्मेदारियां देते हुए एक समिति का गठन किया गया। जिसमें सत्यव्रत मिश्रा को अध्यक्ष, शतीश चन्द्र मिश्रा को कोषाध्यक्ष, अशोक कुमार द्विवेदी को संयोजक, अमित पांडेय को व्यवस्थापक, मंगल पाण्डेय को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, इशांत द्विवेदी, आशीष द्विवेदी, हेमंत करवरिया, दुर्गेश द्विवेदी को उपाध्यक्ष तथा शुभम नमिश्रा व प्रशांत तिवारी को महांमंत्री, एडवोकेट अनुज शुक्ला को विधिक सलाहकार तथा पूर्व प्रवक्ता तुलसी इंटर कालिज राजापुर धीरेन्द्र मिश्रा, विकास मिश्रा, सुनील मिश्रा व रावेंद्र प्यासी को संरक्षक व मार्गदर्शक का दायित्व दिया गया तथा पंडित गौरव द्विवेदी को पूजा समिति के अध्यक्ष पद का निर्वहन करेंगे।

इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव मिश्रा ने कहा कि इस समिति के माध्यम से समाज के दबे, कुचले व गरीब ब्राह्मण बेटियों की शादी तथा निराश्रित बच्चों की पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था की जायेगी। सुनील मिश्रा ने प्रदेश सरकार से मांग की कि परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर भी सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए। पूर्व प्रवक्ता तुलसी इण्टर कॉलिज धीरेन्द्र मिश्रा ने भगवान परशुराम के जन्म पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान परशुराम विष्णु के छठे अवतार है। इनका प्रादुर्भाव माता रेणुका से त्रेता युग मे वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को हुआ था तथा यह सात चिरंजीवियों में से एक है। इस मौके पर कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्र के तमाम ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित रहे।

लापरवाह बीट अधिकारियों को एसपी ने दी कार्यवाही की चेतावनी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने मंगलवार को थाना व चैकियों से आये बीट अधिकारियों को बीट प्रणाली के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान एसपी ने बीट प्रणाली का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन कराने के सम्बन्ध में कानून व्यवस्था एवं अपराध पर नियंत्रण के लिए पुलिस हल्कों एवं बीट व्यवस्था में दिये गये निर्देशों के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताया। इस दौरान एसपी ने बीट अधिकारियों के कर्तव्य एवं अधिकार जैसे ग्राम प्रहरियों का दायित्व, सी-प्लान एप का उपयोग, बीट क्षेत्र में लाइसेन्स धारकों, पासपोर्ट धारकों, सम्भ्रान्त व्यक्तियों के नाम बीट बुक में दर्शानें, थाने पर प्राप्त सभी प्रकार के बीट सम्मन, नोटिस, वारण्ट, प्रार्थना पत्र जांच, चरित्र सत्यापन, विवेचना सम्बन्धित पासपोर्ट, तामिला एवं अन्य बीट कार्य के सम्बन्ध में जानकारी ली तथा इस सम्बन्ध में विस्तृत रूप से जानकारी भी दी।

भेड़-बकरियों के साथ आधा दर्जन पशु चोर गिरफ्तार

चित्रकूट ब्यूरोः रैपुरा थाने व सर्विलांस की संयुक्त टीम ने मवेशियों की चोरी की तीन घटनाओं का खुलासा करते हुए छह चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 31 बकरियां, 11 भेड़, तीन चार पहिया वाहन, नगर धनराशि व तमंचा-कारतूस बरामद किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि बीती नौ अप्रैल को लवलेश पुत्र काशी प्रसाद पटेल निवासी ग्राम देहरुछमाफी थाना रैपुरा ने सूचना दी कि बीती सात अप्रैल की रात उसके फार्म से दो अज्ञात व्यक्तियों ने 15 बकरिया चोरी कर ली है। इस सूचना पर थाना रैपुरा में सम्बन्धित धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किए गए। इस घटना के शीघ्र खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक ने रैपुरा थाना प्रभारी को निर्देशित किया था। मामले की विवेचना के दौरान बीते सोमवार को थाना के उपनिरीक्षक रविकान्त को सूचना मिली कि बकरी चोरी से सम्बन्धित आरोपी अरवारा रोड पर एक बन्द पड़े गिट्टी के प्लाण्ट के पास तीन चार पहिया वाहन खड़े है। इस सूचना पर सर्विलांस व थाना रैपुरा टीम ने मौके पर पहुंचकर तीन चार पहिया सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपने नाम मनोज कुमार निवासी बघवा थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज, चानस खां निवासी सेमरा कस्बा व थाना बरगढ, प्रमोद सिंह निवासी कन्द्रा मुरका थाना बरगढ, मो तालिब निवासी अशोक चैराहा के पास कस्बा व थाना बरगढ, रज्जन निवासी उसरीमाफी थाना बरगढ व शब्बीर निवासी दुधवनिया थाना बहिलपुरवा बताया। आरोपियों के कब्जे से 31 बकरियां, 11 भड़ें, तीन चार पहिया वाहन, तमंचा-कारतूस व नगद धनराशि बरामद की गई। पुलिस को मौके पर आता देख दो अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए। पकड़े गए आरोपियों ने उनका नाम बाबा निवासी लखनपुर थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज व काऊ निवासी मण्डी समिति के पास कस्बा व थाना बरगढ़ बताया। चोरी के सम्बन्ध में पूंछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि उन्होंने ग्राम साईपुर क्षेत्र पहाड़ी से 11 भेड़ व एक बकरी, ग्राम रसिन थाना क्षेत्र भरतकूप से कुछ बकरियाँ व थाना रैपुरा क्षेत्र के देहरूछमाफी से 15 बकरियाँ चोरी किये थे। इन घटनाओं के सम्बन्ध में थाना पहाड़ी, थाना भरतकूप व थाना रैपुरा में अभियोग पंजीकृत है। पुलिस ने इस घटना में प्रयुक्त वाहनों को सीज किया गया।

जरूरतमंदों की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म - विकास सोनी

बाबा साहब की जयंती पर पठा विजयपुरा फाउंडेशन ने जरुरतमंदों को बांटे वस्त्र

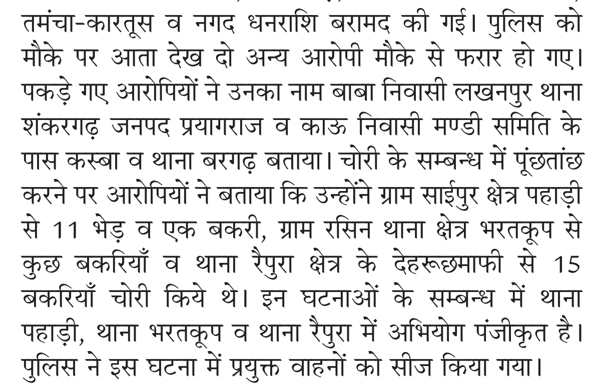

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर। सोमवार को डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर पठा विजयपुरा फाउंडेशन के तत्वावधान में महरौनी के ग्राम छपरट में आदिवासी बस्ती में जरूरतमंद लोगों को वस्त्र वितरण किए गए। नये वस्त्र पाकर बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान देखी गई। साथ ही उनकी समस्याएं सुनी गयी। इस अवसर पर फाउंडेशन के संस्थापक पत्रकार विकास सोनी ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा मानव धर्म है। सशक्त व्यक्तियों को मानव सेवा के लिए आगे आना चाहिए, तभी समाज उत्थान संभव है। इस मौके पर पत्रकार निशु दुबे, आशीष सेन सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

भिवाड़ी विकास प्राधिकरण के गठन से मिलेगी विकास को रफ्तार, मुख्य सचिव ने विकास कार्यों की समीक्षा की

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल-तिजारा, 15 अप्रेल। मुख्य सचिव श्री सुधांशु पंत ने मंगलवार को बीड़ा सभागार, भिवाड़ी में अधिकारियों संग बैठक कर भिवाड़ी विकास प्राधिकरण के गठन की रूपरेखा पर विमर्श किया तथा शहर में प्रगति पथ पर अग्रसर विकास कार्यों की गहन समीक्षा की।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि भिवाडी एक औद्योगिक नगरी होने के साथ-साथ, आधुनिक सुविधाओं के साथ शहर का सुनियोजित विकास को दृष्टिगत रखते हुए, भिवाडी क्षेत्र को मानेसर गुरुग्राम की तर्ज पर काउन्टर मैग्नेट सिटी बनाने की संभावनाएं तराशने की आवश्यकता है। इस हेतु मुख्यमंत्री द्वारा भी बजट घोषणा में क्षेत्र के सुनियोजित विकास एवं बेहतर आधारभूत सुविधायें विकसित किये जाने की दृष्टि से बीडा क्षेत्र का पुनर्निर्धारण करते हुए भिवाडी विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणा विकास प्राधिकरण, भिवाडी की धरातल पर क्रियान्विति हेतु देश के अन्य विकास प्राधिकरणो का अध्ययन किया जावे।

बैठक के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बीडा द्वारा एक प्रजेंटेशन दिया गया, जिसमे आयोजित गत बैठक में लिये गये निर्णयों के सबंध में अनुपालना के साथ ही बीडा के महत्वपूर्ण कार्यों यथा मल्टीपर्पज स्पोर्टस एरीना, लाईब्रेरी, फूड कोर्ट कन्वेंशन सेंटर भिवाडी, 34 एमएलडी एसटीपी, सड़क विकास कार्यों की स्थिति से अवगत कराया।

मुख्य सचिव श्री पंत ने भिवाड़ी की साफ सफाई व्यवस्था की समीक्षा की जिस पर नगर परिषद के अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष गतवर्ष से अधिक कार्मिकों को कांटेक्ट पर लगाया गया ताकि सफाई का कार्य बाधित न हो। उन्होंने भिवाड़ी में ह्लवेस्ट टू एनर्जी मॉडलह्व पर जोर देते हुए इस दिशा में कार्य करने हेतु निर्देशित किया जिससे कचरे से बिजली और कंपोस्ट उत्पादन जैसी परियोजनाएं न केवल कचरा प्रबंधन का स्थायी समाधान बनेंगी, बल्कि इससे क्षेत्र को स्वच्छ और हरित बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने सीईटीपी द्वारा उपचारित किए गए पानी को औद्योगिक इकाइयों को देने तथा एसटीपी से निकले पानी को हॉर्टिकल्चर, पार्क डेवलप, विभिन्न औद्योगिक इकाइयों को देने सहित अन्य संभावनाओं के बारे में विचार कर पानी का सदुपयोग करने के निर्देश दिए। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल सदस्य सचिव ने बताया कि सीईटीपी लगभग 2.5 एमएलडी पानी उपचारित कर औद्योगिक इकाइयों को दिया जा रहा है, जिस पर उन्होंने सीईटीपी क्षमता अनुसार पानी उपचारित कर औद्योगिक इकाइयों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा आगामी समय में कहरानी बायोलॉजिकल पार्क एवं बाबा मोहन राम नगर वन में ग्रीन एरिया को डेवलप करने हेतु एसटीपी के उपचारित पानी का उपयोग करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान उन्होंने जिला प्रशासन के सहयोग से रीको के अधिकारियों को रीको भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए तथा हरियालो राजस्थान अभियान के तहत रीको स्थित सड़कों पर पेड़ लगाने हेतु निर्देश भी दिए। उन्होंने भिवाड़ी स्टेडियम के चारों तरफ पेड़ लगाकर ग्रीन एरिया डेवलप करने के निर्देश दिए। उन्होंने भिवाड़ी नीमराना लिंक रोड, कन्वेंशन सेंटर, मल्टीपरपज स्पॉट एरिया, बजट घोषणा सिक्स लेन सड़क भिवाड़ी से गैलपुर, अमृत 2.0 सहित अन्य विकास कार्य प्रगति की समीक्षा की।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव श्री सुधांशु पंत ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिला प्रशासन के सहयोग से रीको भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को तत्परता से हटाया जाए, ताकि विकास में कोई बाधा न आए। साथ ही उन्होंने 'हरियाळो राजस्थान' अभियान में रीको क्षेत्र की सड़कों के दोनों ओर पेड़ लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने भिवाड़ी स्टेडियम की परिधि को भी प्राकृतिक ग्रीनरी डेवलप करने का संकल्प जताते हुए चारों ओर पेड़ लगाने के निर्देश दिए।

बैठक में भिवाड़ी-नीमराना लिंक रोड, कन्वेंशन सेंटर, मल्टीपरपज स्पोर्ट्स एरिया, बजट घोषणानुसार भिवाड़ी से गैलपुर तक प्रस्तावित सिक्स लेन सड़क और अमृत 2.0 सहित आन्य विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अतिरिक्त मुख्य सचिव जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, अतिरिक्त मुख्य सचिव पीडब्ल्यूडी, प्रमुख शासन सचिव उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, प्रमुख शासन सचिव स्थानीय निकाय विभाग, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास विभाग तथा संभागीय आयुक्त पूनम, प्रबंध निदेशक रीको शिवांगी स्वर्णकार, प्रबंध निदेशक विद्युत प्रसारण नथमल डिडेल, आयुक्त राजस्थान आवासन बोर्ड रश्मि शर्मा, राजस्थान राज्य प्रदूषण निगम सदस्य सचिव शारदा प्रताप सिंह, जिला कलेक्टर कोटपूतली-बहरोड कल्पना अग्रवाल, जिला कलेक्टर खैरथल-तिजारा किशोर कुमार, पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी, पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार सहित अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

मंडी में लगाया कैंप : पीएम सुरक्षा और जीवन ज्योति में किया बीमा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल! कृषि उपज मण्डी के मजदूरो का बीमा करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को कृषि उपज मंडी परिसर,खैरथल में कैंप लगाकर मंडी परिसर में कार्यरत मजदूर पल्लेदार,हम्माल, तुलावटी आदि का प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं जीवन ज्योति बीमा योजना का बीमा किया। इस दौरान उन्होंने बीमा करवाने के लिए आने वालों से अपील की है कि आप अपने परिजनों एवं परिचितों का बीमा कराएं। ताकि भविष्य में कुछ अनहोनी होती है तो उनके परिवारजनों को सहायता मिल सके।

कैंप मे पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक आफ इंडिया, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रतिनिधी मौजूद रहे लीड बैंक प्रतिनिधी बैंक के प्रतिनिधी इंद्रजीत ने दोनो बीमा योजनाओ की जानकारी मण्डी मजदूरो को विस्तार से दी मण्डी सचिव सुरेन्द्र सैनी ने बताया 31 पल्लेदारों ने बीमा योजना में रजिस्ट्रेशन करवाया

काजड़ा पंचायतवासियों ने जिला कलेक्टर से मिलकर परिसीमन के विरोध में दर्ज कराई आपत्ति

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं। पंचायत समिति सूरजगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत काजड़ा को पंचायत समिति सूरजगढ़ से हटाकर पंचायत समिति पिलानी में जोड़ने के प्रस्ताव के विरोध में आज बड़ी संख्या में काजड़ा के गणमान्य लोग झुंझुनूं जिला कलेक्टर रामावतार मीणा से मिलकर आपत्ति दर्ज कराई। आपत्ति दर्ज करवाते हुए सरपंच मंजू तंवर, पूर्व सरपंच व पूर्व पंचायत समिति सदस्य राजेंद्र शर्मा, पूर्व सरपंच सरोज शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता मनजीत सिंह तंवर व समाज सेवी भरत नागवान सहित ग्राम वासियों ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि ग्राम पंचायत काजड़ा को पुनः सूरजगढ़ पंचायत समिति में शामिल किया जाए। ग्राम पंचायत वासियों ने बताया कि ग्राम पंचायत काजड़ा को सूरजगढ़ पंचायत समिति से हटाकर पिलानी पंचायत समिति में जोड़ना उचित नहीं है। पिलानी से काजड़ा की दूरी 12 किलोमीटर है जबकि सूरजगढ़ कि दूरी 4 किलोमीटर है। सूरजगढ़ के लिए आवागमन के साधन हर समय उपलब्ध रहते हैं जबकि पिलानी से आवागमन के साधन न के बराबर हैं।

जब ग्राम पंचायत काजड़ा के तहसील कार्यालय, उपखण्ड कार्यालय, कृषि उपज मंडी, रेलवे स्टेशन,बाजार, विद्युत विभाग, उच्च शिक्षा के केन्द्र सभी सूरजगढ़ ही लगते हैं तो पंचायत समिति स्तर के कार्यों के लिए आम जन सूरजगढ़ को छोड़कर पिलानी क्यों जाएं। आपत्ति दर्ज करने वालों में रिशाल सिंह गुर्जर, कैलाश नागवान, भीम सिंह शेखावत, भगवती प्रसाद स्वामी, नथमल नागवान, पालाराम कुमावत, बाबूलाल कुमावत, प्रेम सिंह नायक, बाबूलाल मेघवाल, विजय सिंह शेखावत, पूर्व सरपंच रणवीर धतरवाल, शायर सिंह शेखावत, अशोक स्वामी, प्रकाश मेघवाल, धीर सिंह नायक, राजकुमार जोशी, श्री निवास शर्मा, लक्ष्मीकांत जोशी, राय सिंह शेखावत, विनोद सोनी, होशियार सिंह सिंगाठिया, संदीप शेखावत, प्यारेलाल मिस्त्री, गुरुदयाल जांगिड़, छंगाराम मेघवाल, राजेन्द्र सैनी, अक्षय शर्मा, विक्रम गुर्जर, ताराचंद चोपड़ा, मुकेश शेखावत, सुरेश कुमावत, रामचन्द्र खन्ना आदि अन्य लोग उपस्थित रहे।

गिरिराज सिंह बोले- दो साल में भीलवाड़ा को टेक्सटाइल सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई जाएगी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

भीलवाड़ा। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भीलवाड़ा को अब सिर्फ यार्न या प्रोसेसिंग तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे गारमेंट निर्माण क्षेत्र में भी अग्रणी बनना होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार टेक्सटाइल क्षेत्र को एक नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर भीलवाड़ा पहुंचे। जहां उनके आगमन पर टेक्सटाइल उद्योग से जुड़ी नामचीन कंपनियों, ट्रस्टों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने हमीरगढ़ स्थित रिको ग्रोथ सेंटर में भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के नवनिर्मित बहुउद्देशीय वस्त्र भवन का विधिवत लोकार्पण किया। इस लोकार्पण समारोह में जिला कलेक्टर जसमीत सिंह, एसपी धर्मेंद्र सिंह सहित कई अधिकारी और उद्योगपति मौजूद रहे। वस्त्र भवन के उद्घाटन के बाद मंत्री गिरिराज सिंह ने उपस्थित टेक्सटाइल उद्योगपतियों को संबोधित किया।

किशोरपुरा के शीशराम खटाणा ने अपनी अध्यापिका बेटी को घोड़ी पर बैठाकर निकाली बिन्दोरी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं चंवरा। किशोरपुरा के शीशराम खटाणा की पुत्री सीमा खटाणा की शादी 16 अप्रैल की रात्रि में सम्पन्न होगी। राजेश खटाणा किशोरपुरा ने बताया कि सोमवार रात्रि को शीशराम के भाई मोहन लाल तथा चचेरे भाई रोहीताश खटाणा ने बिन्दोरी का कार्यक्रम रखा जिसमें सीमा खटाणा को घोड़ी पर बैठाकर गाजे बाजे के साथ बिन्दोरी नीकाली । सीमा खटाणा के

पिता एक नीजी स्कूल में टीचर हैं वहीं सीमा भी सरकारी टीचर हैं। कार्यक्रम में रोहीताश खटाणा,शायर मल खटाणा,जेपी खटाणा व्याख्याता, मुकेश खटाणा,नरेश खटाणा,नुन्दाराम खटाणा, प्रकाश खटाणा,छोटुराम खटाणा सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

कुंवर आर.सी. महिला महाविद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़ी धूम धाम से मनाई गई

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मैनपुरी। कुंवर आर.सी. महिला महाविद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई। डॉ भीमराव अंबेडकर की फोटो पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के पश्चात महाविद्यालय की संयुक्त सचिव डॉ. सुशीला त्यागी जी ने कहा कि बाबा साहब सामाजिक न्याय के प्रतीक हैं। वे महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे और महिलाओं के संगठन में अत्यधिक विश्वास करते थे। हमें उनके इस विचारधार को संजोकर और आगे तक ले जाना है। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. शेफाली यादव ने कहा कि अंबेडकर की जयंती हमें याद दिलाती है कि समाज में स्वतंत्रता,समानता और न्याय के लिए सतत प्रयास करना चाहिए। यदि आपका लक्ष्य दृढ़ है तो कुछ भी असंभव नहीं है। महाविद्यालय की शिक्षिका प्रो.अलका पाठक ने अंबेडकर के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि जिसने हमें जीवन जीने का अधिकार दिया ऐसे महान व्यक्तित्व को याद करना हमारा कर्तव्य है। इसके बाद महाविद्यालय की छात्राओं के बीच 'विकसित भारत की संकल्पना' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें काजोल प्रथम व आकांक्षा द्वितीय स्थान पर रहीं।कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाई, NCC की सभी छात्राओं ने उत्साह से प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

खादी ग्रामोद्योग इंस्पेक्टर 20 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार, एंटी करप्शन ने की कार्रवाई

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) की टीम ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। एंटी करप्शन टीम ने मंगलवार को रिश्वत लेते खादी ग्रामोद्योग विभाग के इंस्पेक्टर आदित्य कुमार को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर ने एक व्यक्ति से 20 हजार रुपये रिश्वत मांगी थी। उसे रंगेहाथ पकड़ा गया है। आरोपी के खिलाफ बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने की कार्रवाई शुरू कर दी।

सनातनियों ने दिखाया आक्रोश, जलाया पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का पुतला

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। राष्ट्र जागरण युवा संगठन के आवाह्न पर नाथ नगरी के जागरूक सनातन प्रेमियों ने आज शाम सिविल लाइंस हनुमान मंदिर पहुंचकर हनुमान चालीसा का पाठ किया और उसके पश्चात बड़ी संख्या में पैदल मार्च पटेल चौक तक किया। पटेल चौक पर पहुंचकर सभी ने अपना आक्रोश जताया और मुमताज बानो उर्फ. ममता बनर्जी के पुतले को सभी लोगों ने पहले जूते चप्पलों से मारा उसके बाद पुतले में आग लगाई गई। इस अवसर पर राष्ट्र जागरण युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित भारद्वाज, अनिल मुनि, सौरभ शर्मा, सरदार हरमीत सिंह, जीतू देवनानी, सुबोध भारद्वाज, राजू उपाध्याय, विकास मेहरोत्रा, शिवसेना के प्रमुख दीपक पाठक, दुर्गेश गुप्ता, लवलीन कपूर, राजीव खुराना, मनजीत सिंह बिट्ठू, सुरेन्द्र लाला, शिशिर पाराशर, संजय

शर्मा, मुकेश बंसल, ढाल सिंह, रचित अग्रवाल, विमल भारद्वाज, टोजो हरजाई, राजेश सक्सेना तथा विहिप के महानगर अध्यक्ष आशु अग्रवाल, सुनीता सिंह, नीरज चौरसिया, वीरेंद्र यादव, पवन शर्मा, राजेश वर्मा सहित काफी बड़ी संख्या में सनातनी लोग उपस्थित रहे। अखण्ड भारत गौरव ट्रस्ट और नाथ नगरी सुरक्षा समूह का विशेष सहयोग रहा।

कुंवर आर.सी. महिला महाविद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़ी धूम धाम से मनाई गई

मैनपुरी। कुंवर आर.सी. महिला महाविद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई। डॉ भीमराव अंबेडकर की फोटो पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के पश्चात महाविद्यालय की संयुक्त सचिव डॉ. सुशीला त्यागी जी ने कहा कि बाबा साहब सामाजिक न्याय के प्रतीक हैं। वे महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे और महिलाओं के संगठन में अत्यधिक विश्वास करते थे। हमें उनके इस विचारधार को संजोकर और आगे तक ले जाना है। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. शेफाली यादव ने कहा कि अंबेडकर की जयंती हमें याद दिलाती है कि समाज में स्वतंत्रता,समानता और न्याय के लिए सतत प्रयास करना चाहिए। यदि आपका लक्ष्य दृढ़ है तो कुछ भी असंभव नहीं है। महाविद्यालय की शिक्षिका प्रो.अलका पाठक ने अंबेडकर के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि जिसने हमें जीवन जीने का अधिकार दिया ऐसे महान व्यक्तित्व को याद करना हमारा कर्तव्य है। इसके बाद महाविद्यालय की छात्राओं के बीच 'विकसित भारत की संकल्पना' विषय

पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें काजोल प्रथम व आकांक्षा द्वितीय स्थान पर रहीं।कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाई, ठउउ की सभी छात्राओं ने उत्साह से प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं व कर्मचारीगण उपस्थित तिरुपति इस्टेट कॉलोनी में डॉ भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समारोह का हुआ आयोजन बरेली ,डॉ भीमराव आंबेडकर की 134 वां जन्मोत्सव समारोह कार्यक्रम तिरुपति स्टेट कॉलोनी में धूमधाम से मनाया गया

कार्यक्रम की अध्यक्षा निर्मल सक्सेना के द्वारा की गयी, कार्यक्रम में वक्तागणों श्रीमती पूनम कुमारी ने महिलाओं के उत्थान पर प्रकाश डाला के. पी. सिंह सिद्धार्थ ने भारतीय संविधान पर विश्लेषण कर संक्षिप्त रूप में प्रकाश डाला, दुर्वेश कुमार गौतम ने बहुत ही अहम बिन्दु प्रोब्लम ऑफ रूपी (रुपये की समस्या) पर आधारित मौद्रिक नीति, औधोगीकरण, विनिमय एवं फ्ढक की स्थापना पर संक्षिप्त विश्लेषण किया, आगामी वक्ता धर्मवीर सिंह ने बाबा साहेब के जीवन पर विस्तार से चर्चा की, सुल्तान सिंह ने बाबा साहेब के प्रारंभिक जीवन उनके सामाजिक क्षेत्र से जुड़े बिंदुओं पर प्रकाश डाला, कार्यक्रम में बरिष्ठ आदरणीय रामाशंकर जी ने बाबा साहेब के मूल बिन्दु शिक्षा पर प्रकाश डाला, श्रीमती शुभि गोस्वामी जी ने अपने संबोधन में डॉ भीमराव अंबेडकर साहब के समानता न्याय एवं स्वतंत्रता पर विस्तार से चर्चा की '

जानलेवा हमले के चार वांछित आरोपी दबोचे, लठ बरामद, पुलिस ने जेल भेजे

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो कैराना। पुलिस ने जानलेवा हमले के मामले में वांछित चल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो लठ बरामद हुए है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों को चालान करके जेल भेज दिया है। विगत एक मार्च को इन्नार निवासी ग्राम इस्सापुर खुरगान ने कुछ लोगो पर एक राय होकर गाली-गलौच, मारपीट व जानलेवा हमला करने के आरोप में कोतवाली कैराना पर अभियोग पंजीकृत कराया था। एसपी शामली ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को निर्देशित किया था। मंगलवार को एसपी शामली रामसेवक गौतम के निर्देशानुसार वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने मामले में वांछित चल रहे अफसर, असलम, सलमान निवासीगण ग्राम नया गांव इस्सापुर खुरगान तथा मारूफ निवासी ग्राम अकबरपुर सुनहेटी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो डंडे बरामद किए है। पकड़े गए आरोपियों को पुलिस ने चालान करके जेल भेज दिया है।

पैतृक जमीन के लिए पिता को दी जान से मारने की धमकी

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो चौसाना। जमीन के लालच में रिश्ते भी तार-तार हो रहे हैं। ऐसा ही एक सनसनीखेज मामला सामने आया है चौसाना क्षेत्र के गांव नाइनगला जाटान से, जहां 60 वर्षीय वृद्ध नरेन्द्र ने अपने ही बेटे अमित पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित का कहना है कि बेटे ने जमीन को अपने नाम न करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी है और कई बार मारपीट भी की है। वृद्ध ने चौकी पहुंचकर पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। नरेन्द्र के अनुसार, उसके चार बेटे हैं और उसने अपनी जमीन को पांच हिस्सों में बांट दिया है। सभी बेटे अपने-अपने हिस्से पर काबिज हैं, लेकिन दूसरा बेटा अमित लगातार विवाद कर रहा है। पीड़ित का आरोप है कि अमित न सिर्फ उसके साथ गाली-गलौच करता है, बल्कि कई बार हाथापाई भी कर चुका है। उसका दबाव है कि पूरा जमीन उसके नाम कर दिया जाए, वरना वह किसी भी हद तक जा सकता है। पीड़ित वृद्ध ने पुलिस को दी शिकायत में अपनी हत्या की आशंका जताई है और तुरंत सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। परिवार के अन्य सदस्यों का कहना है कि आरोपी युवक पहले भी हिंसक घटनाओं में शामिल रहा है। होली से दो दिन पहले वह अपने बड़े भाई को बेरहमी से पीट चुका है, जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी है। परिजन का आरोप है कि पुलिस ने अब तक आरोपी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है, जिस कारण पूरा परिवार भय के साए में जी रहा है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है।

ऊन में उपखंड अधिकारी से मारपीट का मामलाः

दस दिन बाद दर्ज हुआ मुकदमा, पांच नामजद, दो अज्ञात पर केस

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो चौसाना। कस्बा ऊन में विद्युत विभाग की टीम के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर आखिरकार दस दिन बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। यह मामला 4 अप्रैल का है, जब बिजली चोरी रोकने के लिए मौके पर पहुंची टीम पर कुछ ग्रामीणों ने हमला कर दिया था। टीम में उपखंड अधिकारी अनिल कुमार और जेई शामिल थे, जिनके साथ मारपीट और अभद्रता की गई पिटाई की विडियो भी वायरल हुई थी। बिजली लाइन में हो रहे लॉस और अवैध कनेक्शन की शिकायतों के बाद विभाग की विशेष टीम कस्बे ऊन में जांच के लिए निकली थी। जब टीम मौके पर पहुंची तो कुछ स्थानीय लोगों ने उन्हें रोक लिया और देखते ही देखते विवाद मारपीट में तब्दील हो गया। आरोप है कि इस दौरान न सिर्फ टीम के साथ मारपीट की गई, बल्कि उपखंड अधिकारी अनिल कुमार और जेई को भी पीटा गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। अधिकारी अनिल कुमार ने घटना की जानकारी पुलिस को दी और लिखित तहरीर सौंपी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और सोमवार को गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। पांच पर हुआ मुकदमा दर्ज – सचिन शर्मा, दीपक, पुष्पेंद्र, वासू और आशीष – के खिलाफ मामला दर्ज किया है, साथ ही दो अन्य अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।

इन्होंने ने कहा..
थानाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है। जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मन्नामाजरा फायरिंग प्रकरण का एक और आरोपी दबोचा

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो कैराना। पंद्रह दिन पूर्व गांव मन्नामाजरा में वर्चस्व की जंग को लेकर कैराना के दो गुटों के बीच हुए खूनी संघर्ष के प्रकरण में पुलिस ने एक और आरोपी को अवैध असलहे व कारतूस समेत गिरफ्तार करके जेल भेजा है। पुलिस इससे पूर्व घटना में नामजद चार आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। गिरफ्तार आरोपी एक गुट का सरदार बताया जा रहा है।
विगत एक अप्रैल को क्षेत्र के गांव मन्नामाजरा में कैराना के दो गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई को लेकर खूनी संघर्ष हो गया था, जिसमें ग्राम मन्नामाजरा निवासी राकिब, ग्राम जहानपुरा निवासी रिजवान उर्फ चीमा व कैराना के मोहल्ला आलकलां निवासी परवेज उर्फ भाटी घायल हो गए थे। इनमें राकिब व रिजवान उर्फ चीमा के पैर में गोली लगी थी, जबकि परवेज उर्फ भाटी सिर में ईंट लगने से घायल हो गया था। ताबड़तोड़ फायरिंग से गांव में दहशत व्याप्त हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही तत्कालीन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बिजेन्द्र सिंह रावत ने पुलिस टीम के साथ गांव में पहुंचकर घटना की जानकारी हासिल की थी। वहीं, फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर घटना से जुड़े साक्ष्य एकत्र किए थे। मामले में पुलिस ने दोनों गुटों के 17 नामजद व कुछ अज्ञात के खिलाफ जानलेवा हमला करने समेत संगीन धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया था। मंगलवार को पुलिस ने मामले में नामजद याहया उर्फ याहिया निवासी मोहल्ला आलखुर्द भूरा चुंगी कस्बा कैराना को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 315 बोर का एक तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद किया है। आरोपी घटना को अंजाम देने वाले एक गुट का सरदार बताया गया है। उधर, मामले की विवेचना कर रहे एसएसआई यशपाल सिंह सोम का कहना है कि मन्नामाजरा फायरिंग प्रकरण में मंगलवार को एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। चार आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार करके जेल भेजा जा चुका है। शेष आरोपियों को भी शीघ्र गिरफ्तार करके जेल भेज दिया जाएगा।

कैराना में धूमधाम से निकाली गई बालाजी शोभायात्रा

बेंड बाजे, डीजे, ढोल व प्रमुख झांकियों के बीच हुआ आयोजन, सुरक्षा के मद्देनजर तैनात रहा भारी पुलिस बल

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो कैराना। नगर में श्री बालाजी शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। इस दौरान हिंदुओ के उत्साह व श्रद्धा के साथ मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सौहार्द की अनुकरणीय नजीर पेश करते हुए शोभायात्रा में शामिल लोगों को फल-फ्रूट्स व शीतल पेय आदि वितरित किये। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस व पीएसी के जवान मुस्तैद नजर आए।
मंगलवार को श्री हनुमान सेवा समिति द्वारा नगर में भव्य श्री बालाजी शोभायात्रा का आयोजन किया गया। प्राचीन बाबा बनखंडी महादेव मंदिर प्रांगण से शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा में शामिल सांस्कृतिक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। राष्ट्र व समाज सेवा का संदेश देती हुई झांकियां लोगों का मन मोह रही थी। वहीं मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा प्रेम व सौहार्द की शानदार मिसाल पेश की गई। उन्होंने शोभायात्रा में शामिल लोगों का स्वागत करने के साथ ही फल-फ्रूट्स व शीतल पेय आदि वितरित किया। वहीं इस दौरान सर्व समाज के लोगों ने प्रसन्न होकर सेवा भाव से जगह जगह प्रसाद वितरण किया। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस फोर्स, दो प्लाटून पीएसी बल के जवान तथा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह सहित गढ़ीपुख्ता, झिंझाना व बाबरी के थाना की पुलिस तैनात रही। अंडर ट्रेनिंग सीओ जितेंद्र सिंह सहित चार निरीक्षक, छब्बीस उपनिरीक्षक सहित लगभग एक सौ पचास पुलिसकर्मी तैनात रहें। एसडीएम स्वप्निल कुमार यादव व अंडरट्रेनिंग सीओ जितेंद्र सिंह मौजूद रहे। अनिल, संजू, कमल, शुगन, राकेश, कालू, अभिषेक, शिवम, रविन्द्र व अंकित आदि मौजूद रहे। वही नगरपालिका की ओर से सफाई की व्यवस्था कराई गई।

संक्षेप समाचार :

न्यायालय ने दो मामलों में तीन को दोषी ठहराया

कैराना। न्यायालय ने दो अलग अलग मामलों में तीन आरोपियों को दोषी ठहराया। वहीं पांच हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया। वर्ष 2007 में ऋषिपाल व विकास पुत्र ऋषिपाल निवासीगण बनखण्डी शामली के खिलाफ थाना शामली में हत्या करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। न्यायालय ने अर्थदंड से दंडित किया गया है। वर्ष 2023 में साबिर अहमद पुत्र सदीक निवासी मौहल्ला पंसारियान के खिलाफ थाना शामली में शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज गया था। न्यायालय ने जेल में बिताई गई अवधि की सजा सुनाई। वहीं निर्धारित अर्थदण्ड अदा न करने पर अतिरिक्त कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है ।

विवाद के बाद दो पक्ष में हुई मारपीट, शिकायत

कांधला। क्षेत्र के गांव निवासी महिला ने मंगलवार को थाने में दी। बताया कि उसके पति की मृत्यु हो चुकी है। पड़ोस में रहने वाला युवक रास्ते में आने-जाने के साथ उसके साथ छेड़छाड़ करता है। मंगलवार की सुबह भी वह किसी काम से घर से बाहर जा रही थी, तो आरोपी ने रोक कर छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपी गाली-गलौज करने लगा। शोर सुनकर आरोपी की पत्नी भी वहां पहुंच गई। दोनों ने मिलकर पिटाई कर उसे घायल कर दिया। वहीं, दूसरे पक्ष की महिला का कहना है कि उसके पति रास्ते में सफाई कर रहे थे, इसी दौरान पड़ोसी महिला ने उसके पति के साथ गाली-गलौज कर हाथापाई की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नहर में नहाते समय किशोर घायलअ

कांधला, कस्बे के मोहल्ला शेखजादगान निवासी 15 वर्षीय किशोर मुस्तकीम अपने साथी सावेज के साथ पूर्वी यमुना बड़ी नहर में नहाने के लिए गया था। परिजनों के अनुसार दोपहर के समय पुल से किशोर ने गोता लगाया तो नहर के भीतर किशोर के सिर में ईंट लग जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया। किशोर के साथी घायल को प्राइवेट अस्पताल में लेकर आए और परिजनों को मामले की जानकारी दी। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर घायल किशोर का उपचार शुरू कराया। जहां पर किशोर की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इसके बाद परिजनों ने भी राहत की सांस ली।

80 प्रतिशत विकलांग प्रमाण पत्र बनाने की मांग की

शामली। ताजपुर सिम्भालका निवासी दिव्यांग युवक ने डीएम से 80 प्रतिशत विकलांग प्रमाण पत्र बनाए जाने की गुहार लगायी है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को गांव ताजपुर सिम्भालका निवासी राजन ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह दोनों पैरों से विकलांग है, उसका विकलांग प्रमाण पत्र 40 प्रतिशत का बनाया गया है, इस कारण उसे स्कूल में जाने के लिए परेशानियों का सामना करना पड रहा है। राजन ने डीएम से गुहार लगायी कि उसका 80 प्रतिशत विकलांग प्रमाण पत्र बनाया जाए।

सभी पब्लिक स्कूलों में लागू किया जाए एनसीआरटी पाठ्यक्रम

प्राइवेट स्कूलों द्वारा भारी भरकम फीस, एडमिशन फीस वसूलने पर शिवसेना ने जताया आक्रोश

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो शामली। मंगलवार को शिवसेना के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन देते हुए बताया कि पिछले कुछ सालों से पब्लिक स्कूलों द्वारा अभिभावकों का जमकर शोषण किया जा रहा है। पब्लिक स्कूलों द्वारा जहां अभिभावकों से भारी भरकम फीस वसूली जा रही है वहीं एडमिशन के नाम पर भी अवैध फीस मांगी जा रही है। पब्लिकेशन कंपनियों से 60 प्रतिशत तक का कमीशन लेकर अभिभावकों से कई गुना महंगे दामों पर पाठ्यक्रम खरीदने पर मजबूर किया जा रहा है। अभिभावकों से एक निश्चित दुकान से पाठ्यक्रम, यूनिफार्म खरीदने का दबाव बनाया जा रहा है वहीं एक क्लास से दूसरी क्लास में जाने पर नया एडमिशन किया जाता है जिसके लिए मोटी फीस वसूली जाती है। उक्त पब्लिक स्कूल अपने वहां पढ़ाने वाले शिक्षकों का भी शोषण कर रहे हैं, शिक्षकों को मात्र 5 से 7 हजार रुपये माह ही दिया जा रहा है।
उक्त पब्लिक स्कूल तरह से लूट मचा रहे हैं और शासन प्रशासन की नाक के नीचे यह सब काम हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अभिभावकों का शोषण रोकने के लिए सभी पब्लिक स्कूलों में एनसीआरटी का पाठ्यक्रम लागू करने, अभिभावकों को किसी भी दुकान से पाठ्यक्रम और यूनिफार्म खरीदने की स्वतंत्रता मिले, एडमिशन के बाद हर क्लास में एडमिशन फीस खत्म की जाए, सरकारी स्कूलों का स्तर सुधारा जाए, उन्हें आधुनिक शिक्षा पद्धति से लैस किया जाए, पब्लिक स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षकों का वेतन शासनादेश के अनुरूप हो। इस मौके पर राजकुमार, नीरज, पिंटू, योगेश, यशपाल, रविन्द्र कुमार, विपिन चौहान, अंकुश कुमार, रामनाथ, अजय चौधरी मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर में भारतीय किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा का विशाल प्रदर्शन

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो चौसाना। मुजफ्फरनगर, भारतीय किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी शाह आलम के नेतृत्व में मंगलवार को मुजफ्फरनगर में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों, मजदूरों और छात्रों की समस्याओं को उजागर करते हुए जिला अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा गया, जो देश के प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम शांतिपूर्वक प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम में संगठन की राष्ट्रीय कमेटी से लेकर ग्राम स्तर तक के सभी अध्यक्षों और उनकी टीमों ने हिस्सा लिया, जिसे सफल बनाने में सभी ने सहयोग किया। संगठन ने इस आयोजन में सभी सदस्यों की उपस्थिति को अनिवार्य बताया था।उत्तर प्रदेश कार्यालय के युवा नेता शाहबाज आलम ने इस कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा, "यह पहल किसानों, मजदूरों और छात्रों के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रदर्शन के माध्यम से हम सरकार का ध्यान इन वर्गों की लंबित समस्याओं की ओर आकर्षित करना चाहते हैं। आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने की योजना के तहत स्थानीय प्रशासन को पहले ही सूचित कर दिया गया था। कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रवक्ता सोनू चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव इर्तजार राणा, शामली जिला अध्यक्ष हुसैन चौहान, शामली जिला महामंत्री यूसुफ राणा, थाना भवन ब्लॉक उपाध्यक्ष अमजद चौहान, युवा नेता गुफरान राणा सहित कई अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे।

अम्बेडकर जयंती पर अभाविप द्वारा संगोष्ठी का आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो शामली। सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कालेज में डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला संयोजक आकाश ने किया। आकाश भारती ने कहा कि यदि हम अपने जीवन में डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन से संबंधित एक भी बिंदु अपने जीवन में समाहित करें तो उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी, उनके संघर्षपूर्ण जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार डा. अम्बेडकर द्वारा दिखाए गए मार्गदर्शन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया।

लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति न मिलने पर जारी किए कारण बताओ नोटिस

डीएम ने खराब प्रगति रिपोर्ट पर जताई नाराजगी, फैमिली आईडी की खराब प्रगति पर खंड विकास अधिकारियों का वेतन रोकने के दिए निर्देश

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो शामली। विकास भवन के सभागार में डीएम अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में सीएम डैश बोर्ड पर आधारित विकास कार्यो एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें डीएम ने विकास कार्यों एवं राजस्व कार्यों की विभाग वार समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को सीएम डैश बॉर्ड पर दर्शाया गया डाटा के अनुसार लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति के निर्देश दिये। साथ ही जिन विभागों की प्रगति खराब मिली उन विभागों को कड़ी फटकार लगाते हुए जहां कमी है उसमें सुधार करते हुए प्रगति के निर्देश दिये। ताकि जनपद की रैंकिंग ठीक रहें।
बैठक में जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए फैमिली आईडी में खराब प्रगति होने पर समस्त खंड विकास अधिकारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए। बैठक में सीएम डैशबोर्ड पर डीपीआरओ की रैंकिंग खराब होने पर उनको भी कारण बताओं नोटिस के निर्देश दिए। बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए बीएसए को भी एमडीएम में संतोषजनक प्रगति न मिलने पर कारण बताओं नोटिस के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में कलेक्ट्रेट और विकास भवन के निर्माण कार्य में संतोषजनक प्रगति न होने पर संबंधित कार्यदाई संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता जल निगम से समीक्षा करते हुए क्वालिटी पूर्वक कार्य न होने पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए कड़ी फटकार लगाई और उनके द्वारा कराए गए कार्यों की जांच हेतु पांच सदस्य कमेटी गठित कर पॉइंट टू पॉइंट रिपोर्ट एक सप्ताह में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को सभी गौशालाओं का निरीक्षण कर सभी जगह व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। निर्देशित किया कि निरीक्षण रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई जाए। डीएम ने गौशालाओं पर भूसादान के लिए भी एसडीएम/खंड विकास अधिकारी का सहयोग लेते हुए ग्राम प्रधानों के माध्यम से निर्देशित किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी सन्तोष कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अनिल कुमार, जिला विकास अधिकारी सत्य राम यादव,पीडी डीआरडीए प्रेम चन्द,जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी डॉ हरेंद्र सहित सभी संबंधित विभाग के अधिकारी व राजस्व विभाग की बैठक में सभी एसडीएम सहित समस्त संबंधित विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

गोल्ड कीज पब्लिक स्कूल में प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो कैराना। कस्बे के गोल्ड कीज पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2024-25 का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस दौरान विद्यालय परिसर विद्यार्थियों की उपलब्धियों की चमक और उत्साह से गूंज उठा। इस अवसर पर विद्यालय चेयरमैन राशिद अली चौहान तथा पवन गोस्वामी, पवन कुमार, क्षमा व उर्फी जैदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं के होनहार विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया। समारोह में प्ले ग्रुप से आराध्या, वंदित और मोहम्मद सिहाब को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान मिला। नर्सरी-अ से आव्या, खदीजा और काव्या तथा नर्सरी-ब से सान्या, रब्बानी और समृद्धि को पुरस्कृत किया गया। केजी-अ से सैफ, आफिया और हानिया, केजी-ब से आहिरा, दानियाल और अव्युक्त, और केजी-सी से दिव्या, अरहम व मोहम्मद जैद को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कक्षा प्रथम-अ में शिफात, इकरा और बागे अमन, प्रथम-ब में शावान, नमरा और नवीरा शीर्ष तीन स्थानों पर रहे। कक्षा द्वितीय से अब्दुल आहद, शौर्य और एलिशा तथा कक्षा तृतीय-अ में भावना, हबीबा और आफिया, तथा तृतीय-ब में रायमा, जोया और शगुन को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कक्षा चतुर्थ-अ के अब्दुल हन्नान, कुंज और अलमास तथा चतुर्थ-ब के शाद इमरान, जकिया और सनाया तथा कक्षा पांच से आफिया, मोहम्मद कैफ आलिम और राहत अली, कक्षा षष्ठम से अनुभव, अहतशाम और अम्मार हसन, कक्षा सप्तम से देवांशु, जारा और फिजा तथा कक्षा अष्टम से खुशी, कुश और हिमांशु को उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं प्रबंधन टीम ने सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को ढेर सारी शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अन्य छात्रों को भी और अधिक परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया।

बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग

पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं पर अत्याचार से हिन्दू युवा वाहिनी ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो शामली। मंगलवार को हिन्दू युवा वाहिनी के निवर्तमान अध्यक्ष कुलदीप कुमार गौड के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन देते हुए बताया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिन्दुओं पर अत्याचार किया जा रहा है, बहन बेटियां भी सुरक्षित नहीं है। हाल ही में घर से निकालकर पिता-पुत्र की निर्मम हत्या भी कर दी गयी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा एक विशेष वर्ग को खुली छूट दी जा रही है, कोलकाता हाईकोर्ट ने मामले का संज्ञान लेते हुए केन्द्र सरकार से केन्द्रीय सुरक्षा बलों की मांग की है। पश्चिम बंगाल का हिन्दू अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहा है। ममता बनर्जी ने बंगाल को नरक बना दिया है। उन्होंने मांग की कि ममता बनर्जी सरकार को तुरंत बर्खास्त करके पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए, वहां रहने वाले हिन्दुओं की सुरक्षा दी जाए, बहन बेटियों की सुरक्षा की जाए, साथ ही दोषी लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। सुशील विश्वकर्मा, संदीप उपाध्याय, सुरेश बजाज,जगत सिंह, महेन्द्र सैनी, सुनील चंदेलिया, अमित, सोनू, महिपाल, रामेश्वर, अमन नामदेव मौजूद रहे।

स्वामी कल्याण देव को भारत रत्न की उपाधि देने की मांग

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो शामली। ब्रह्मर्षि अंगिरस वेलफेयर समिति ने शिक्षा ऋषि स्वामी कल्याण देव महाराज को भारत रत्न की उपाधि दिए जाने की मांग की है।

आवश्यकता है

दैनिक नेशनल प्रेस टाइम्स में शामली थानाभवन जलालाबाद झिंझाना बिडौली ऊन चौसाना बाबरी गढ़ी पुख्ता एलम बनत आदि स्टेशनों पर रिपोर्टरो की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
आदिल राणा
जिला प्रभारी शामली
91-9082190000,
91-9997173786

झामुमो में हेमन्त युग का हुआ आगाज

निरस्त की कार्यकारी अध्यक्ष का पद, शिबू सोरेन बने संस्थापक संरक्षक

एनपीटी, ब्यूरो

रांची, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा पार्टी ने अपना नया केन्द्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया है। इसके मुताबिक सीएम हेमन्त सोरेन झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के नये केन्द्रीय अध्यक्ष चुन लिये गये हैं। जबकि दिशोम गुरु शिबू सोरेन को विधिवत झामुमो का संस्थापक संरक्षक बना गया। राजधानी रांची के खेत गांव स्थित हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की दो दिवसीय 13वें महाधिवेशन के दुसरे दिन यह निर्णय लिया गया है। गौरतलब हो कि इस निर्णय के साथ ही अब झामुमो की

कमान पूरी तरह से हेमन्त सोरेन के हाथ में आ गई है। रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित महाधिवेशन के पहले ही दिन पार्टी के संविधान में संशोधन कर कार्यकारी अध्यक्ष का पद समाप्त कर दिया गया है और इसकी जगह नियमानुसार संस्थापक संरक्षक का नया पद सृजित किया गया।

इससे पहले चर्चा थी कि गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जायेगा। लेकिन महाधिवेशन की शुरूआती दिन को ही झामुमो पार्टी के संविधान में संशोधन कर कार्यकारी अध्यक्ष का पद समाप्त कर संस्थापक संरक्षक का पद बहाल किया गया। गौरतलब हो कि हेमन्त सोरेन को वर्ष 2015 में पार्टी के 10वें महाधिवेशन में कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था।

वाहन के चपेट में आने से कलीमुद्दीन मोमिन की हुई मौत, जांच में जुटी पुलिस

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़- हिरणपुर मुख्य पथ के कोर्ट कैंपस के समीप एसबीआई मेन ब्रांच के निकट एक बाइक सवार हाईवे के चपेट में आने से उनकी दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस आये और शब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल सोना जोड़ी ले जाया गया। वही नगर थाना पदाधिकारी ने पुलिस पदाधिकारी ने पुलिस प्रभारी ने थाना प्रभारी ने साझा करते हुए बताया की पाकुड़ नगर के एसबीआई मेन ब्रांच के समीप हिरणपुर थाना क्षेत्रान्तर्गत मोहनपुर निवासी लुकमान मोमिन के सुपुत्र (लगभग 25 वर्षीय) कलीमुद्दीन मोमिन हाईवे/ वाहन के चपेट में आने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। साथ ही शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनाजोड़ी स्थित सदर अस्पताल, पाकुड़ ले जाया गया। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक कलीमुद्दीन मोमिन किसी काम के लिए पाकुड़ आये हुए थे, मगर वाहन के चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गया। मृतक कलीमुद्दीन मोमिन के पत्नी एवं दो बच्चे समेत परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। वही समाचार लिखे जाने पुलिस आगे की कारवाई कर रही थी।

झारखण्ड के राशन कार्डधारियों को मिलेगा 80 फीसदी चावल, केन्द्र सरकार ने दी सहमति

एनपीटी

झारखण्ड में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लाभुकों को अब फिर से 80 फीसदी चावल ही मिलेगा। केन्द्र सरकार ने अपने फैसले को संशोधित कर लिया है। पूर्व में केन्द्र सरकार ने झारखण्ड सरकार को पत्र लिख कर 68 अनुपात 32 के तहत चावल और गेंहू देने की बात कही थी। इस अनुपात में झारखण्ड को पिछले वर्ष तीन-चार महीने तक चावल और गेंहू की आपूर्ति भी की गयी। लेकिन झारखण्ड सरकार ने इसका कड़ा विरोध किया था। झारखण्ड सरकार ने केन्द्र को पत्र लिख कर चावल की मात्रा बढाए जाने का अनुरोध किया था। तर्क दिया गया था कि झारखण्ड में जनवितरण प्रणाली के लाभुकों की पसंद चावल अधिक है। झारखण्ड में एसटी समुदाय के लोगों में चावल की खपत अधिक है। पंजाब, हरियाणा व अन्य राज्यों में गेंहू को लोग ज्यादा पसंद करते हैं। झारखण्ड सरकार के इस अनुरोध के पश्चात केन्द्र सरकार ने अप्रैल 2025 से 80 अनुपात 20 के तहत चावल और गेंहू देने पर सहमति दे दी है। इस के मुताबिक अप्रैल माह से जनवितरण प्रणाली के दुकानों से लाभुकों को चावल और गेंहू देना प्रारम्भ कर दिया गया है। गौरतलब हो कि 80 अनुपात 20 का मतलब यह है कि अगर झारखण्ड को 100 किलोग्राम खाद्यान्न मिलता है तो उस में 80 किलोग्राम चावल और 20 किलोग्राम गेंहू होगा। चावल और गेंहू को लेकर पूर्व में भी झारखंड और केंद्र सरकार के बीच विवाद होता रहा है। झारखंड की ग्रामीण आदिवासी जनता गेंहू की जगह चावल को ज्यादा पसंद करते हैं। झारखंड में गेंहू की कम खेती और खपत होती है।

रामाकुंडा में चड़क पूजा का हुआ भव्य आयोजन, भोक्ताओं की अटूट आस्था ने मोहा मन

एनपीटी ब्यूरो

धनबाद (झा०खं०), धनबाद जिले के तोपचांची क्षेत्रान्तर्गत रामाकुंडा शिव मंदिर परिसर में मंगलवार को चड़क पूजा (भोक्ता पर्व) का भव्य आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर भक्तों की आस्था और परंपरा का अनुपम संगम देखने को मिला। हजारों की संख्या में श्रद्धालु आसपास के गांवों से पहुंचे और भोक्ताओं के हैरतअंगेज करतबों को देखकर दंग रह गये। भोक्ताओं ने शरीर के विभिन्न अंगों- पीठ, छाती, जीभ आदि में लोहे की कीलें और हुक चुभोकर भगवान शिव की आराधना की। इस आयोजन में सौ से अधिक भोक्ताओं ने पारंपरिक झारखंडी नृत्य और ढोल-नगाड़ों के बीच आस्था का प्रदर्शन किया। करीब 50 फीट ऊंचे भोक्ता खंभे पर रस्सियों के सहारे झूलते हुए परिक्रमा कर अपनी मन्नतें पूरी की। बारिश के कारण कार्यक्रम में थोड़ी देर जरूर हुई, पर सुबह 10 बजे से ही भोक्ताओं का झूलना प्रारम्भ हो गया, जो अपराह्न तक चलता रहा। मन्दिर परिसर में भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा।

दुर्गम क्षेत्रों के लिए मनरेगा योजना बनी वरदान

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), समुद्रतल से लगभग 2500 फीट ऊंचाई पर स्थित एक दुर्गम आदिम जनजाति बहुल ग्राम जहां ग्रामीणों के कथनानुसार पहाड़ पर स्थित झरना जल स्त्रोत में पानी की आवश्यकता को देखते हुए मनरेगा के तहत बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना की स्वीकृति कराया गया। योजना में कूप निर्माण कार्य कराया गया जिसमें 15-16 फीट पानी का लेयर ऊपरी सतह पर दिखाई दे रहा है। पानी मिलने पर ग्रामीणों में खुशी की लहर है। जिसे देखते हुए वर्तमान में ग्रामीणों ने 4 एकड़ बिरसा हरित ग्राम योजना की स्वीकृति कराया है। इस कूप से पानी से ग्रामीण जनमन के तहत मिले आवास योजना में कार्य करवा रहे हैं। मनरेगा योजना की उपयोगिता को देखते हुए ग्राम प्रधान के साथ- साथ ग्रामीणों के द्वारा लगभग 1. 5 किमी मिट्टी मोरम सड़क निर्माण का मांग किया गया एवं कूप के नजदीक नीचले जमीन पर एक डोभा निर्माण का मांग किया गया। ग्रामीणों के इस मांग पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, लिट्टीपाड़ा संजय कुमार ने मनरेगा परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान के साथ ग्राम का दौरा किया तथा ग्रामीणों को योजना लाभ से आच्छादित करने का भरोसा दिलाया।

स्वास्थ्य मंत्री ने सदर अस्पताल का लिया जायजा , सीएस को लगाई

फटकार, 26 डॉक्टर में 2 डॉक्टर ही अस्पताल में रहे डियुटी

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), झारखण्ड में स्वास्थ्य व्यवस्था भले ही स्वास्थ्य मंत्री बेहतर करने का दावा करते हो, लेकिन धरातल की स्थिति एकदम अलग है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ० इरफान अंसारी अचानक सदर अस्पताल पहुंच गये। सदर अस्पताल का स्वास्थ्य मंत्री ने निरीक्षण किया। अस्पताल के हर विभाग का निरीक्षण किया। गायनी विभाग के रजिस्टर का अवलोकन किया। गायनी विभाग की डॉक्टर डियुटी से गायब मिली। वही शौचालय के सामने महिला मरीज को बेड देने पर अस्पताल कर्मी को मौके पर फटकार लगाया। अस्पताल में कार्यरत 26 डॉक्टर में 2 से 3 डॉक्टर ही डियुटी में उपस्थित पाए गये।इसे लेकर मंत्री ने सिविल

सर्जन को सभी का सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। कार्यरत डॉक्टर खुद के निजी अस्पताल संचालन करने की आरोप लगाते हुए सदर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था खराब करने की बात कही। स्वास्थ्य मंत्री ने सदर अस्पताल की लचर व्यवस्था को देख भड़कते दिखे।सिविल सर्जन को फटकार लगाते हुए कार्यशैली में सुधार करने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य मंत्री के अचानक अस्पताल का औचक निरीक्षण करने पहुंचते ही खलबली मच गई। वही स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सदर अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधा बहुत खराब है।

निरीक्षण में खामियां ही खामियां मिली है।उनका यह विभाग है फिर भी स्वीकार करते है कि सदर अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था अच्छी नही है।सिविल सर्जन अनुभवी है कार्यशैली ठीक करने को कहा है। अस्पताल में मरीज कम है। डॉक्टर गायब है। लेकिन सभी व्यवस्था को वह ठीक करेंगे। जो डॉक्टर गायब है, अपना निजी अस्पताल संचालन कर रहे, सभी का तबादला करेंगे। स्वास्थ्य सेवा में कोताही को बर्दाश्त नही करेंगे।

जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह- मॉनिटरिंग समिति की हुई समीक्षा बैठक, दिया दिशा-निर्देश

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), बीते मंगलवार को समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह- मॉनिटरिंग समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुआ। इस दौरान उपायुक्त मनीष कुमार ने मुख्य रूप से विद्यालयों में मध्याह्न भोजन वितरण की स्थिति, रसोइया का आयुष्मान कार्ड से अच्छादन, विद्यालयों में खाद्यान्न की प्रत्येक माह ससमय उपलब्धता एवं शत- प्रतिशत छात्रों की उपस्थिति से सम्बन्धित समीक्षा बैठक की।उपायुक्त ने बच्चों का उपस्थिति शत प्रतिशत सुनिश्चित कराने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। मिड डे मिल की निगरानी व प्रोटीनयुक्त भोजन पर विशेष ध्यान देने का निर्देश अधिकारियों को दिया।उपायुक्त ने कहा कि जो बच्चे अंडा नहीं खाते हैं वैसे बच्चों को केला देना सुनिश्चित करें। साथ ही उपायुक्त ने हर महीने के 20 तारीख को सभी विद्यालय में अतिथि भोज कराने का निर्देश दिया। साथ ही शत प्रतिशत एसएमएस कम्पलीट कराने पर उपायुक्त ने सभी शिक्षकों का प्रशंसा की। बैठक में जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, उपाधीक्षक, सदर अस्पताल डॉ मनीष कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

बाड़ा असिला में पोखर खुदाई कार्य में भारी अनियमितता, प्रशासन की अनदेखी से ग्रामीण नाराज

एनपीटी ब्यूरो

साहेबगंज (झा०खं०), साहेबगंज जिले के बरहरवा प्रखण्ड अन्तर्गत कोटालपोखर थाना क्षेत्र के बाड़ा असिला गांव में इन दिनों एक पोखर का खुदाई और पुनर्निर्माण कार्य बिना किसी सूचना बोर्ड के किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस सरकारी कार्य में भारी अनियमितताएं बरती जा रही हैं और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता का घोर अभाव है। ग्रामीणों ने बताया कि जब से यह कार्य शुरू हुआ है, तब से न तो पंचायत की ओर से कोई जानकारी दी गई है और न ही स्थल पर किसी तरह की परियोजना से जुड़ी जानकारी वाला बोर्ड लगाया गया है। जिससे काम की लागत, योजना का नाम, एजेंसी, कार्य की अवधि और जिम्मेदार पदाधिकारी की जानकारी मिल सके। इससे यह संदेह पैदा हो रहा है कि सरकारी योजना के तहत चल रहे, इस कार्य में मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मिट्टी की खुदाई में गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखा जा रहा और न ही निर्माण स्थल की नियमित निगरानी हो रही है। इससे सरकारी पैसे के दुरुपयोग की आशंका और गहरा गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे कार्य की जांच कराई जाए और दोषी लोगों पर कार्रवाई की जाए। वही यह भी कहा गया कि अगर इस तरह के कार्यों में पारदर्शिता नहीं रही तो सरकारी योजनाएं आम लोगों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पायेगी। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेता है या नहीं। ग्रामीणों की उम्मीदें अब जिला प्रशासन पर टिकी हुई है।

बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें किया नमन

एनपीटी, देश रतन बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर डोरंडा रांची स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर झारखंडी सूचना अधिकार मंच एवं आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के संयुक्त तत्वावधान में केन्द्रीय अध्यक्ष विजय शंकर नायक एवं आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष राजु महतो के संयुक्त नेतृत्व में माल्यार्पण किया गया। माल्यार्पण करने के पश्चात झारखंडी सूचना अधिकार मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष सह-आदिवासी मूलावासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के 134 वीं जन्मदिन के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के पश्चात कहा कि भाजपा नागनाथ और कांग्रेस सांपनाथ दोनो पार्टियां अम्बेडकर विरोधी है , सिर्फ दलित शोषित वंचित समाज के वोटो को लेने के लिए बाबा साहब को माल्यार्पण कर खोए जनाधार को प्राप्त करने के होड़ मे लगे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के लोग संविधान बदलने की बात कहती है, उनके गृह मन्त्री अमीत शाह ने अम्बेडकर को अपमानित किया, दुसरी ओर कांग्रेस के लोगों ने बाबा साहब को संविधान सभा में जाने से रोकने के लिए उनके नेता कहते थे कि बाबा साहब के लिए सभी दरवाजा तो बदं रहेगा ही उनके लिए खिडकी भी बंद किया जायेगा, ताकि बाबा साहब को संविधान सभा में जाने से वंचित किया जा सके , भारत रत्न से वंचित किया। कहा ऐसे अम्बेडकर विरोधी पाटीर्यों को मल्यार्पण करने का नैतिक अधिकार नही है। इस अवसर पर आदिवासी मूलवासी जन अधिकार मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष राजू महतो ने कहा कि बाबा साहब के सपनों को पुरा करने के लिए हमलोग सदैव उनके दिखाए गये मार्ग में चलने का कार्य करेगें।

नई कार्यकारिणी का गठन ▪ झारखण्ड जर्नलिस्ट एसोसिएशन पाकुड़ जिला कमिटी का

हुआ विस्तार, किया गया नई कार्यकारिणी का गठन

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), बीते मंगलवार 15 अप्रैल 2025 को पाकुड़ में झारखण्ड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (खखअ) के पाकुड़ जिला कमिटी की विस्तार को लेकर एक महत्वपूर्ण द्वितीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पाकुड़ के कार्यकारी अध्यक्ष शमशेर अहमद ने की, जिसमें लगभग दर्जनों पत्रकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक की शुरूआत में सभी उपस्थित सदस्यों ने एक-दूसरे को अपना परिचय दिया। इसके पश्चात संगठन की मजबूती और पत्रकार बंधुओं के बीच एकता बनाये रखने पर विस्तृत चर्चा की गई। सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि सभी को एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़ा रहना चाहिए और आपसी सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि महीने में एक बार नियमित रूप से बैठक आयोजित की जायेगी, ताकि संगठन के कार्यों और सदस्यों की समस्याओं पर विचार-विमर्श किया जा सके। साथ ही सदस्यता अभियान चलाया गया। इस दौरान, सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से जेजेए पाकुड़ जिला कमिटी का गठन किया गया। झारखण्ड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के बैनर तले जिला पाकुड़ का नये जिला कमिटी में सर्वसम्मति से शमशेर अहमद को जिला अध्यक्ष के रूप मे मनोनीत किया गया। तो वही जिला उपाध्यक्ष के रूप मे कार्तिक रजक, काजीरुल शेख, नुरुल इस्लाम व सुदीप कुमार त्रिवेदी को मनोनीत किया गया। जिला सचिव के रूप मे रुपेश साहा के रूप मे मनोनीत किया गया। कोषाध्यक्ष के रूप मे सतनाम सिंह को मनोनीत किया गया है। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य के रूप मे अभिषेक तिवारी, धनंजय साहा, स्वराज सिंह, रविशंकर मिश्रा, यासिर आराफत, ममता जायसवाल, अमर भगत को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। जिला कमिटी के गठन के पश्चात, सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों और सदस्यों ने संगठन के प्रस्ताव रजिस्टर में हस्ताक्षर कर अपनी सहमति जताई। इसके साथ ही जिला अध्यक्ष शमशेर अहमद ने नई कार्यकारिणी को बधाई दी और उनसे संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने तथा पत्रकार हितों की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का आह्वान किया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई।

भाजपा को हराना है तो सभी विपक्षी दलों को एकजुट होकर एक मंच से राहुल गांधी को करें मजबूत - दीपिका

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गोड्डा : ग्रामीण विकास विभाग व पंचायती राज मंत्री, झारखंड सरकार, दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राहुल गांधी आज की राजनीति में एक ऐसा नाम बन चुके हैं, जो न केवल संघर्ष का प्रतीक है, बल्कि एक नई सोच और उम्मीद का चेहरा भी हैं। जब तमाम राजनीतिक दल भ्रम और अवसरवाद की राह पर चलते दिखते हैं, तब राहुल गांधी सच्चाई, संवेदनशीलता और सिद्धांतों की राजनीति का उदाहरण पेश करते हैं।

उनकी भारत जोड़ो यात्रा ने देश को बताया कि नेतृत्व सिर्फ सत्ता हासिल करने का नाम नहीं, बल्कि देशवासियों की पीड़ा को समझने और उनके साथ खड़े होने का संकल्प है। उन्होंने हर वर्ग की आवाज को अपने मंच पर जगह दी, चाहे वो किसान हो, युवा हो या महिलाएं।

राहुल गांधी की सबसे बड़ी ताकत है उनका निर्भीक और साफ दृष्टिकोण। वे बिना डरे सत्ता के दमन के खिलाफ बोलते हैं, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए लड़ते हैं। आज जब देश को एक जिम्मेदार और संवेदनशील नेतृत्व की जरूरत है, राहुल गांधी एक मजबूत, सच्चे और उम्मीद भरे विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। वे राजनीति में इंसानियत और आदर्शों की वापसी का नाम हैं। यह रहे कुछ उपयुक्त हैशटैग्स जो राहुल गांधी, कांग्रेस और दीपिका पांडे सिंह से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट्स के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं।

बसंतराय तालाब में आस्था की डुबकी लगाने के साथ ही बिसुआ मेला शुरू, उमड़ा आस्था का जन सैलाब

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गोड्डा : बसंतराय प्रखंड के अंतर्गत बसंतराय तालाब में मंत्री उद्योग, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड सरकार संजय प्रसाद यादव के द्वारा विसुआ मेला का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव, जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त जिशान कमर, उपविकास आयुक्त स्मिता टोप्पो, अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, अनुमंडल पदाधिकारी वैद्यनाथ उरांव, प्रखंड प्रमुख, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री के द्वारा बताया गया कि अगले साल इस जिला के ऐतिहासिक बिसुआ मेला को राजकीय मेला का भी दर्जा मिल जाएगा। बस कुछ विभागीय प्रक्रिया रह गई है। ऐतिहासिक बसंतराय तालाब में पूजा-अर्चना के लिए भारी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन शुक्रवार से ही प्रारंभ हो गया था। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार बसंतराय तालाब में स्नान कर साक्षात देवता सूर्य की पूजा-अर्चना होती है।

हर वर्ष आयोजित होने वाले मेले में सफाहोड़ समाज के लोग अपने इष्ट गुरु के साथ यहां आकर पूजा-अर्चना करते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्राचीन बसंतराय तालाब में नहाने से शरीर की बीमारियां भी खत्म हो जाती है।आने वाले समय में बसंतराय तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य, तालाब में बोटिंग की शुरूआत एवं दुकानों के निर्माण कराए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री जी के द्वारा डॉ० भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उपायुक्त ने बताया कि बिसुआ मेला आदिवासी व गैर आदिवासी के सांस्कृतिक धरोहर, धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी बसंतराय, थाना प्रभारी वसंतराय एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं प्रखंड कर्मीगण मौजूद थे।

पोडैय़ाहाट के ऐतिहासिक तलाब शिव मंदिर प्रांगण पदमपुर में हुआ चरक मेला का आयोजन, शरीर को रस्सी से बांधकर घुमाया

पोडैय़ाहाट(गोड्डा): प्रखंड अंतर्गत ऐतिहासिक तालाब पदमपुर शिव मंदिर प्रांगण में हर साल की भांति मंगलवार को चरक मेला का आयोजन हुआ। आयोजित मेला में तरह-तरह की बच्चों के खेल खिलौना एवं शिव भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।आयोजित मेला के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ने बताया कि ऐतिहासिक तालाब उद्धेश्वर नाथ के नाम से भी जाने जाते हैं।राजा भीमसेन के जमाने मे ही तालाब का निर्माण हुआ था और यह तलाब के समीप गरीब के लड़की की शादी होने पर बर्तन बासन की मांग किया करते थे और मिलता था और शादी के बाद फिर उसी जगह बर्तन को साफ सुथरा कर रख दिया जाता था।पूर्वजों से चला आ रहे पूजा अर्चना को हम हर्षोउल्लास के साथ पूरे आसपास के समाज एवं लोगों के साथ मिलकर मानते हैं। जानकारी के अनुसार झूलने वाले के शरीर को रस्सी से बांधकर लोहे का हुक फंसाया जाता है और तेज गति से झुलाया जाता है। यह बेहद कष्टप्रद है लेकिन समाज के लोगों की मान्यता है कि उपवास रहकर सेवा करने से इतनी शक्ति आ जाती है कि कष्ट का थोड़ा भी अनुभव नहीं होता।

इस अनुष्ठान को करने वालों को चैत्र माह में संन्यास धारण करते पारम्परिक वेशभूषा में भिक्षा मांग एक पहर भोजन ग्रहण करना होता है।खजूर भांगा महोत्सव का इंतजार लोग बेसब्री से करते हैं।शिवभक्त की टोलियों में 2 सदस्य गंगा जल से स्नान कर गेरुआ वस्त्र धारण कर कटीले खजूर पेड़ में बिना किसी सहारे चढ़ते हैं तथा नृत्य करते हुए पेड़ पर लगी कच्चे खजूर की डालियों को तोड़ नीचे फेंकते हैं। नीचे खड़े श्रद्धालु ऊपर से फेंके खजूर फल को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। यह दिन शिवभक्तों का भिक्षा मांगने का आखिरी दिन होता है।इसके बाद शिवभक्त अपने पीठ में रस्सी से लोहे की हुक लगा चरक पर्व मनाते हैं।चरक पूजा में वही भक्त शामिल होते हैं जो उपवास मे रहते है। इस दौरान नागेंद्र सिंह विनोद सिंह गुरु सिंह संजय कुमार सिंह मुकेश कुमार सिंह राजू कुमार प्रीतम कुमार रोहित कुमार संतोष कुमार गोपाल कुमार सहीत सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद थे।

जप सदस्य अरशद वहाव ने फंसिया में किया पुलिया का शिलान्यास

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बसंतराय (गोड्डा):- बसंतराय प्रखंड क्षेत्र के बोदरा पंचायत अंतर्गत फंसिया गांव में कब्रिस्तान के पास दाढ़ में पुलिया का जिला परिषद पंचायती राज विभाग से स्वीकृत किया गया है। पुलिया निर्माण कार्य का शिलान्यास जिप सदस्य अरशद वहाब ने किया। 15 वे वित्त से पुलिया का निर्माण कराया जाएगा। मौके पर जिप सदस्य अरशद वहाब ने कहा कि इस पुलिया के बन जाने से गांव के लोगों को बड़ी सुविधा होगी। आगे उन्होंने कहा कि क्षेत्र का समुचित विकास हमारी पहली प्राथमिकता है। हर गांव मुख्य सड़क से जुड़े इसके लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है।क्षेत्र के विकास के लिए अपनी जिम्मेदारी मानते हुए हर संभव प्रयास किया जायेगा। इस पुलिया का निर्माण के लिए ग्रामीणों द्वारा वर्षों से मांग किया जा रहा था। पुलिया के शिलान्यास से ग्रामीणों में हर्ष का माहौल देखा गया। कहा की पुलिया निर्माण में अनियमितता बरते जाने पर संवेदक के ऊपर उचित करवाई कि जाएगी। पुलिया का निर्माण प्राक्कलन के अनुरूप हो इसे सुनिश्चित किया जाएगा।मौके पर ग्रामीणों की भरी उपस्थिति देखी गई।

वीर कुंवर सिंह की जयंती मनाए जाने को लेकर क्षत्रिय महासभा की बैठक, तैयारी जोरो पर

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गोड्डा : आगामी 23 अप्रैल को वीर कुंवर सिंह की जयंती मनाए जाने को लेकर सदर प्रखंड के दियारा गांव स्थित स्नेह वाटिका में क्षत्रिय महासभा की बैठक बुलायी गयी थी। उक्त बैठक जयकांत सिंह की अध्यक्षता में रखी गयी थी जिसमें जिले के जाने माने क्षत्रिय समाज के लोगों ने बैठक में अपनी एकजुटता दिखायी। वहीं इस बार जोर-शोर से बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती मनाये जाने का संकल्प लिया गया। वहीं मौजूद लोगों ने आयोजन की बाबत तैयारियों को लेकर चर्चा की। बताया कि इस बार कार्यक्रम को भव्य तरीके से मनाया जायेगा। मुख्य अतिथि श्रम नियोजन मंत्री संजय प्रसाद यादव व जिप चेयरमैन बेबी देवी रहेगी। सभी को तैवारियों का जिम्मा सौंप दिया गया है। बैठक में स्मारक स्थल के सौंदर्यीकरण व नवीनीकरण को लेकर जिप चेयरमैन बेबी देवी ने 10 लाख रुपये देने पर सहमति जतायी। वहीं बताया गया कि स्मारक स्थल का रंग-रोगन शुरू कर दिया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर तैयारी तेज कर दी गयी है। इस दौरान क्षत्रिय महासभा का अपना कार्यालय बनाये जाने पर भी चर्चा की गयी। करनी सेना के अध्यक्ष बंटी सिंह ने भी कार्यक्रम को भव्य तरीके से मनाने में अपना सुझाव दिया। बैठक में सभा के सदस्य किंकर सिंह, प्रलय सिंह, जिप सदस्य राघवेंद्र सिंह, ध्रुव सिंह, संतोष सिंह, राजद जिला उपाध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह, नवीन सिंह, अमरेश सिंह, मुखिया संजय सिंह, उदय कांत सिंह, निरंजन सिंह, ठाकुर शिवेंद्र सिंह, संजीव कुमार सिंह, संजीव चौधरी, सरोज सिंह, बंटी सिह, अमित सिंह, कुंदन सिंह, पिंटू सिंह, इंदु सिंह आदि थे।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की सूचना पर दो युवक गिरफ्तार धर्मांतरण का बताया मामला

ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र स्थित एक मकान में धर्मांतरण कराया जा रहा था।सूचना पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दो युवकों को हिरासत में लिया है।साथ ही मामले की जांच की जा रही है।

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

मुरादाबाद। ठाकुरद्वारा में धर्मांतारण की सूचना पर पुलिस ने प्रशासन में हड़कंप मच गया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की सूचना पर डायल 112 पुलिस ने मौके पर पहुंचकर धर्मांतरण के आरोप में दो युवकों को हिरासत में लेकर कोतवाली ले आयी। जहां पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया ठाकुरद्वारा के मोहल्ला वेयरहाउस के निकट एक निजी मकान में दो युवक द्वारा कुछ महिलाओं को साथ लेकर धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया जा रहा था।इसकी सूचना पर बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और डायल 112 को मामले की सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची डायल 112 ने धर्मांतरण के आरोप में दो युवकों को हिरासत में लिया और कोतवाली लेकर पहुंची। कोतवाली पुलिस विभिन्न बिंदुओ पर जांच में जुटी है। अभी तक बजरंग के कार्यकर्ताओं की तरफ से कोई तहरीर नही दी है

गांव चलो अभियान समृद्ध यूपी सशक्त भारत

नेशनल प्रेस टाइम्स,ब्यूरो

लोनी । भाजपा नेता धर्मेंद्र त्यागी गांव चलो अभियान के अंतर्गत लोनी वार्ड नंबर 18 प्रवास कर घर-घर संपर्क जिला अध्यक्ष चैनपाल चौधरी के नेतृत्व में अभियान चलाया वार्ड के प्रमुख लोगों के साथ प्रदेश सरकार के आठ वर्ष बेमिसाल सरकार की जनकल्याणकारी उपलब्धियां साझा की भाजपा की सरकार ने जनता के लिए किया

चहुमुखी विकास कार्य आयुष्मान कार्ड से फ्री इलाज, गैस सिलेंडर, तीन तलाक, बफ बोर्ड कानून, डबल इंजन की सरकार ने लोगों सबका साथ सबका विकास किया है। इस मौके पर मुख्य रूप से सभासद दल नेता रोहित शर्मा, वरुण धामा, टीटू ठाकुर, कमल प्रधान, चंद्रपाल शर्मा, मुनेश्वर त्यागी, ठाकुर ब्रज बहादुर आदि शक्ति केंद्र संयोजक बूथ अध्यक्ष मौजूद रहे।

गोविंदपुरी स्थित निष्काम भवन में निःशुल्क चिकित्सा कैंपगोविंदपुरी स्थित निष्काम भवन में निःशुल्क चिकित्सा कैंप

नेशनल प्रेस टाइम्स,ब्यूरो।

मोदीनगर। निवोक फाउंडेशन के बैनर तले निवोक सुपर स्पेशलिट हॉस्पिटल की ओर से गोविंदपुरी स्थित निष्काम भवन में मंगलवार को निःशुल्क चिकित्सा कैंप लगाया गया। कैंप में सैकड़ों लोगों ने अपनी स्वास्थ जांच कराई। अस्पताल की ओर से आए डॉक्टरों ने शुगर, ब्लड, ब्लडप्रेशर व बीएमआई सहित आदि जांच की। लोगों ने स्वास्थ जांच कराकर दवाईयां भी ली। इस मौके पर वाईस चेयरमैन सचिन अहलावत भी पहुंचे जिनका निष्काम जत्था सेवा समिति के कार्यकताओं ने पटका पहनाकर व तस्वीर भेंट कर स्वागत किया, उसके बाद मेडिकल डायरेक्टर डॉक्टर मानिक गुप्ता को भी संस्था द्वारा पटका व तस्वीर भेंट कर स्वागत किया गया। कैंप में आए कई लोगों ने कहा कि मोदीनगर क्षेत्र में ऐसा हॉस्पिटल खुलने से सहूलियत तो मिलेगी ही साथ ही मेडिकल क्षेत्र में मोदीनगर सीटी को भी नई पहचान मिल रही हैं। इस मौके पर डॉक्टर निखिल पुनिया, डॉक्टर नीलम, डॉक्टर डीके धीमान, मेडिकल डायरेक्टर डॉक्टर मानिक गुप्ता, डॉक्टर नाजिम खान, डॉक्टर अंकित कुमार, एनएस रीना, नूतन खटियान, संदीप शर्मा, विकास, मार्केटिंग जीएम अनुज त्यागी, मार्केटिंग मैनेजर अविनाश त्यागी, निष्काम सेवक जत्था समिति मोदीनगर के मुख्य सरंक्षक चानन लाल ढींगरा, सरंक्षक दिलीप शर्मा, सरंक्षक धीरज कालरा, संस्थापक/अध्यक्ष जसमीत सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंजीत सिंह बिन्द्रा, सह-सचिव लवली सचदेवा, वरिष्ठ सदस्य प्रेम कुमार चचड़ा, पवन कुमार, ज्ञानी रविन्द्र सिंह, मनदीप सिंह ट्विंकल बतरा, जितेंद्र सिंह, अनुप्रीत कौर सहित मीडिया प्रभारी योगेन्द्र गोस्वामी मौजूद रहे।

प्राइवेट स्कूल की मनमानी के चलते फीस बढ़ाने के खिलाफ किया गया प्रदर्शन

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो

मुरादाबाद । अभिभावकों ने मुरादाबाद पेरेंट्स ऑफ ऑल स्कूल के बैनर तले जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय पर प्रदर्शन किया अभिभावकों ने कहा कि प्राइवेट स्कूल मनमाने ढंग से फीस बढ़ा रहे हैं इसके अलावा स्कूल की ड्रेस और किताबों के नाम पर भी खुली लूट मची हुई है इसे तत्काल रोका जाए।

विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर प्रदर्शन करने पहुंचे अभिभावकों ने कहा कि प्राइवेट स्कूल पूरी तरह से निरंकुश हो चुके हैं मन माने ढंग से फीस बढ़ाई जा रही है बार-बार प्रदर्शन करने और ज्ञापन देने के बाद भी जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

प्रदर्शनकारी अभिभावकों ने कहा कि छोटे-छोटे बच्चों की किताबें ?10 - 10 हजार रुपए में आ रही है किताबें सिर्फ उन्हीं दुकानों पर मिल रही है जिन पर स्कूल वालों ने तय कर रखा है स्कूल की किताब स्कूल द्वारा बताई गई दुकान के अलावा किसी अन्य दुकान पर नहीं मिलेगी इसकी वजह से दुकानदार किताबों के मनमाने दाम वसूल रहे हैं।

ड्रेस के मामले में भी यही हाल है स्कूल की यूनिफॉर्म या तो स्कूल अपने कैंपस में ही काउंटर लगाकर डिस्ट्रीब्यूशन कर रहे हैं या फिर इसके लिए स्कूलों ने कोई एक दुकान निर्धारित कर दी है स्कूलों की मनमानी की वजह से अभिभावकों की जेब पर डाका पड़ रहा है प्रदर्शनकारी अभिभावकों ने मांग की है कि शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन निजी स्कूलों की मनमानी पर तुरंत रोक लगाये

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com
नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी' प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं **बैकुंठ मीडिया, 47 बेसमेंट, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद** (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।